MPHIN/2021/83938

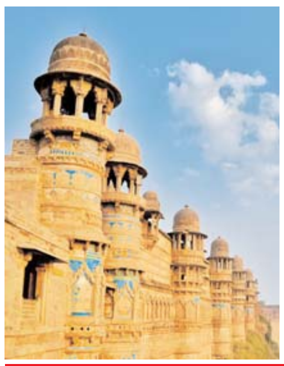

दैनिक पुष्पांजली टुडे

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः 3 : अंकः 173 | ग्वालियर, 3 मार्च रविवार 2024 | 8 मूल्यः 2 रुपए

इंदौर में खुलेगा एमपी का पहला ग्रीन फील्ड डाटा सेंटर, 2 हजार लोगों को मिलेगा रोजगार

मध्य प्रदेश का पहला ग्रीन फील्ड डाटा सेंटर अब इंदौर में खुलने जा रहा है. डाटा प्रोवाइडिंग सेक्टर में एशिया की रेटेड-4 कंपनी कंट्रोल-स ने इंदौर में डाटा सेंटर खोलने में अपना इंटरेस्ट दिखाया है. दरअसल, इस कंपनी को इंदौर में डाटा सेंटर खोलने के लिए जमीन की जरूरत है. जानकारी के मुताबिक, यहां करीब 60,000 वर्ग फीट जमीन कंपनी चाह रही है. अगर यह जमीन दे दी गई तो मध्य प्रदेश का पहला ग्रीन फील्ड डाटा सेंटर इंदौर में खुल जाएगा. जमीन देने के लिए सरकार के स्तर पर बातचीत चल रही है.कहा जा रहा है कि आईआईएम इंदौर के आसपास कहीं यह कंपनी अपना प्रोजेक्ट ला सकती है. इसमें करीब 300 करोड़ रुपये के निवेश की बात भी सामने आई है, जिससे प्रत्यक्ष तौर पर 135 और अप्रत्यक्ष रूप से करीब 2000 लोगों को रोजगार दिया जा सकेगा. प्राथमिक जानकारी के मुताबिक, मार्च में सरकार कंपनी को इस प्रोजेक्ट के लिए जमीन आवंटित कर सकती है. मध्य प्रदेश इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कारपोरेशन से मिली जानकारी के मुताबिक, फिलहाल कंपनी ने दो अलग-अलग जगहों पर जमीन देखी है.

पांच चरणों में पूरा होगा प्रोजेक्ट–आईआईएम के अलावा इंदौर और देवास के बीच शिप्रा के आसपास कहीं जमीन दी जा सकती है. कंपनी ने जो प्रस्ताव दिया है, उसके मुताबिक कंपनी चाहती है कि मध्य प्रदेश में पहला ग्रीन फील्ड डाटा सेंटर इंदौर में खोले. कंपनी को यहां पर करीब दो एकड़ का प्लॉट चाहिए, जिसमें जमीन बिल्ड अप एरिया के लिए 60,000 वर्ग फीट की जरूरत होगी. अधिकारियों ने बताया कि यह प्रोजेक्ट पांच चरणों में पूरा होगा. हर चरण में 12000 वर्ग फीट जमीन का उपयोग किया जाएगा.कंपनी का मार्केट शेयर की बात करें तो भारत में कंपनी का मार्केट शेयर करीब 40 फीसदी है. इसके अलावा भारत के बाहर 350 से ज्यादा संस्थानों को यह कंपनी अपनी सेवाएं उपलब्ध करा रही है. कंपनी के हैदराबाद, बेंगलुरु, मुंबई, नोएडा, चेन्नई और कोलकाता में केंद्र खुले हुए हैं, जिनमें हैदराबाद में तीन, बेंगलुरु में एक, मुंबई में पांच और नोएडा में एक एवं चेन्नई और कोलकाता में दो-दो केंद्र खुले हुए हैं.

अयोध्या में धर्मशाला बनवाएगी मध्य प्रदेश सरकार, सीएम मोहन

मध्य प्रदेश के सीएम मोहन यादव ने शनिवार को बताया कि उनकी सरकार अयोध्या में अपने प्रदेशवासियों के ठहरने के लिए धर्मशाला बनवाएगी. इसके अलावा उनकी सरकार अयोध्या में विक्रमादित्य घाट बनाने पर भी विचार कर रही है. सीएम यादव ने बताया कि 4 मार्च को वह अपनी कैबिनेट के साथ अयोध्या जाकर श्री रामलला के दर्शन करेंगे.सीएम मोहन यादव ने मीडिया से बातचीत में कहा,22 जनवरी को पीएम मोदी और सरसंघचालक मोहन भागवत की मौजदूगी में राम मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा का कार्यक्रम हुआ. यह भारत का सांस्कृतिक अनुष्ठान पर्व था जिससे पूरे देश में ऊर्जा का वातावरण पैदा हुआ है. ऐसे में हमने मंत्रीमंडल के साथ चार मार्च को अयोध्या जाने का फैसला किया है. हम रामराज्य के सपने को साकार करने के लिए संकल्पित हैं और आगे बढ़ेंगे.उन्होंने आगे कहा, ÷भगवान राम का मध्य प्रदेश से खास संबंध है. सम्राट

विक्रमादित्य ने 2000 साल पहले अयोध्या में बड़ा भव्य मंदिर बनाया था. हमारी सरकार कोशिश करेगी कि न केवल रामलला के दर्शन करे बल्कि मध्य प्रदेश के लोगों के लिए भवन बनाकर धर्मशाला बनाने का प्रयास करे. अगर सरयू के किनारे भूमि उपलब्ध हुई तो हमारी सरकार विक्रमादित्य घाट बनाने का भी प्रयास करेगी.%%

बीजेपी शासित राज्यों के मंत्रिमंडल का शेड्यूल तय–बता दें कि इस वक्त अयोध्या में बड़ी संख्या में देशभर से लोग रामलला के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं. ऐसे में यूपी की योगी सरकार द्वारा वीआईपी लोगों के अयोध्या आने को लेकर पहले जानकारी देने की बात कही गई है. इसलिए मध्य प्रदेश सरकार की तरफ से जन्मभूमि ट्रस्ट को शेड्यूल भेज दिया गया है. बीजेपी शासित राज्यों की कैबिनेट के अयोध्या पहुंचने को लेकर पहले ही शेड्यूल तैयार कर लिया गया है जिसके तहत वे अयोध्या पहुंच रहे हैं.

शिवराज सिंह चौहान को BJP ने भोपाल सीट से चुनाव लड़ने का दिया ऑफर,

बीजेपी आज कभी भी लोकसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी कर सकती है. इसमें कई दिग्गजों का नाम हो सकता है. इस बीच सूत्रों ने बताया कि मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान को भोपाल सीट से लड़ने का ऑफर दिया गया है. हालांकि उन्होंने विदिशा से लड़ने की इच्छा जताई है.

बता दें कि शिवराज सिंह चौहान बुधनी सीट से विधायक हैं. हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में बीजेपी ने मध्य प्रदेश में प्रचंड जीत हासिल की थी. इस चुनाव में बीजेपी ने मुख्यमंत्री चेहरे की घोषणा नहीं की थी. चुनाव बाद काफी मंथन के बाद मोहन यादव को मुख्यमंत्री बनाया गया.**विदिशा से सांसद रह चुके हैं शिवराज चौहान**–इससे पहले रेस में शिवराज सिंह चौहान का भी नाम आया था. हालांकि सीएम नहीं बनाए जाने के बाद से ही उन्हें दिल्ली लाए जाने को लेकर अटकलें लगाई जाने लगी. अब चर्चा है कि शिवराज सिंह चौहान को पार्टी लोकसभा का टिकट देगी. शिवराज सिंह चौहान विदिशा सीट से सांसद रह चुके हैं. ऐसे में उन्होंने एक बार फिर से विदिशा ने चुनाव लड़ने की इच्छा जताई है.सूत्रों ने पिछले दिनों को बताया था कि विदिशा सीट पर शिवराज के साथ रमाकांत भार्गव और रामपाल सिंह का नाम सीईसी को भेजा गया है. इस समय रमाकांत भार्गव विदिशा से सांसद हैं. उन्होंने 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के शैलेंद्र पटेल को हराया था.

STORME SMART SOLUTIONS

अपने स्वयं की गाड़ी चलाओ पैसे कमाओ

कमायें 5000 रु. प्रति माह

अपनी गाड़ी 300 Km. चलाओ

5000/- प्रतिमाह कमाओ

9908750812, 8602854455, 9244933139

Old Railway Line, Near Sciendia Chauraha, Shatabdi Puram

Gwalior, Madhya Pradesh 474020

Website : www.stormesmartsolutions.com

पत्रकार ने घायल को जिला चिकित्सालय मे भर्ती करवाया

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । सुबह लगभग साड़े नौ बजे गड़ी के बम्बा के पास दो बाइक सवार जमीन पर घायल अवस्था मे गिरे हुए थे तभी वहाँ से पत्रकार आशीष शर्मा का निकलना हुआ उन्होंने तुरंत मेहगांव थाना प्रभारी आशुतोष शर्मा को सूचित किया व 108 को संपर्क किया । पत्रकार श्री शर्मा ने थाना स्टाफ व 108 कि मदद से घायलों को ड़िला अस्पताल भिंड मे भर्ती कराया घायलों कि पहचान मेवाराम घनघोरिया, बलबीर घनघोरिया निवासी महादेव पुरा (एतेहार) के रूप मे हुयी।

शासन की मंशानुसार जनपद की तीनों तहसीलों में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन

व्यूरो सोनू कुमार माथुर
पुष्पांजली टुडे

एटा, जनता की समस्याओं, शिकायतों को एक ही स्थान पर त्वरित गति से निस्तारित किए जाने के उद्देश्य से जनपद की तीनों तहसीलों में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। मुख्य विकास अधिकारी डॉ0 एके बाजपेयी की अध्यक्षता में तहसील जलेसर में संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। इस दौरान जनता की समस्याओं को गंभीरता पूर्वक सुना गया। सीडीओ ने कहा कि जनशिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण निर्धारित समय अवधि में सभी विभागीय अधिकारी अवश्य करें। अपर जिलाधिकारी प्रशासन सत्य प्रकाश ने तहसील एटा सदर में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में प्रतिभाग किया। उन्होंने कहा कि जनता की शिकायतों का निस्तारण सर्वोपरि है, इसमें किसी भी स्तर पर कोताही नहीं होनी चाहिए। जनता की समस्याओं का हर हाल में समाधान होना चाहिए। इसके लिए आवश्यक है कि सभी लेखपाल नियमित रूप से क्षेत्र भ्रमण करें और जनता की समस्याओं का गांव में ही समाधान किया जाए। एडीएम प्रशासन सत्य प्रकाश ने तहसील एटा सदर में एएसपी धनंजय सिंह कुशवाह, एसडीएम सुश्री भावना, क्षेत्राधिकारी विक्रांत द्विवेदी, तहसीलदार नीरज वार्ष्णेय आदि की उपस्थिति में जनसमस्याओं को सुनते हुए प्राप्त 63 शिकायतों में से 06 का निस्तारण किया। एडीएम वित्त एवं राजस्व आयुष चौधरी ने तहसील अलीगंज में एसडीएम, तहसीलदार सहित अन्य अधिकारियों की उपस्थिति में जनसमस्याओं को सुनते हुए प्राप्त 11 शिकायतों में 02 का मौके पर निस्तारण किया। तहसील जलेसर में कुल 21 प्राप्त शिकायतों में 02 का मौके पर निस्तारण किया गया। इस अवसर पर सीडीओ डा0 एके बाजपेयी, एसडीएम जलेसर जगमोहन गुप्ता, तहसीलदार संदीप सिंह सहित अन्य जिला स्तरीय अधिकारीगण आदि मौजूद रहे।

माँ निरंजना धाम प्रांगण में आयोजित भागवत कथा का समापन एवं भंडारा हुआ

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । आचार्य डॉ. संतोष दास महाराज जी (श्री वृंदावन धाम) के मुखरबिंदु से श्रीमद् भागवत कथा अमृत महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसमें परीक्षित की भूमिका में 17 बटालियन एस. ए. एफ के मोहन सिंह नरवरिया (एएसआई) एवं कथा के आयोजन में महिला सत्संग मंडल 17 बटालियन भिंड एवं माँ निरंजना धाम के समस्त भक्तगण है। श्रीमद् भागवत कथा के दौरान व्यास जी महाराज के द्वारा कृष्ण सुदामा की मित्रता का वर्णन किया है। इस दौरान श्रद्धालु कृष्ण और सुदामा की झांकी को देखकर भक्तगण भावविभोर हो गए । कथा के अंतिम चरणों में 17 बटालियन महिला सत्संग मंडल और भागवत कथा समिति के द्वारा महाराज जी और उनकी पूरी कमेटी का सम्मान किया गया। व्यास महाराज जी ने भागवत कथा का सारांश बताया। कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुजन सम्लित हुए । आरती के बाद कन्या भोज व भंडारे का आयोजन किया गया।

जनहित के कार्यों के बारे में विस्तार से जानकारी दें पत्रकार: विधायक सुदेश राय

सरकार की योजनाओं को आम जन तक पहुंचाने में मीडिया की अहम भूमिका- इंजी. गोपाल सिंह, विधायक

सीहोर जिले का मीडिया संतुलित और सकारात्मक है – कलेक्टर प्रवीण सिंह

पीआईबी ने आयोजित किया सीहोर में मीडिया कार्यशाला 'वार्तालाप' का आयोजन

सीहोर। प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, प्रधानमंत्री जनधन योजना, प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी की अनेक योजनाओं की जानकारी आम जन तक पहुंचाने में मीडिया की भूमिका अहम है । यह बात आष्टा विधायक श्री गोपाल सिंह इंजीनियर ने पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी), सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भोपाल द्वारा शनिवार को सीहोर में आयोजित मीडिया कार्यशाला %वार्तालाप% को संबोधित करते हुए कही । उन्होंने कहा कि आज प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के माध्यम से देश के लगभग 80 करोड़ लोगों को मुफ्त अनाज मिल रहा है । आज देश में लगभग 52 करोड़ जनधन खाते खुल चुके हैं । प्रधानमंत्री आवास योजना से लोगों को पक्का घर और उज्ज्वला योजना से मिले मुफ्त गैस कनेक्शन से लोगों का जीवन आसान हुआ है । श्री इंजीनियर ने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का भी जिक्र किया और पत्रकारों से इस योजना के आम जन तक पहुंचाने का आग्रह किया ।कार्यशाला को संबोधित करते हुए सीहोर के विधायक श्री सुदेश राय ने पीआईबी, भोपाल द्वारा सीहोर में मीडिया कार्यशाला वार्तालाप का आयोजित करने पर प्रसन्नता व्यक्त की । उन्होंने कहा कि पत्रकार तीसरी आंख के रूप में जाने जाते हैं । उन्होंने पत्रकारों से शासन द्वारा किए जा रहे जनहित के कार्यों के बारे में आम लोगों को विस्तार से जानकारी देने का आग्रह किया ।सीहोर का मीडिया संतुलित और सकारात्मक है - कलेक्टर श्री सिंहकार्यशाला में कलेक्टर श्री प्रवीण सिंह ने कहा कि सीहोर का मीडिया काफी सकारात्मक है। किसी भी घटना की रिपोर्टिंग बहुत ही संतुलित तरीके से करता है । उन्होंने कहा कि मीडिया के माध्यम से शासन को फीडबैक भी मिलता है । श्री सिंह ने कहा कि सीहोर में आम जन के हित में शासन और मीडिया एक टीम के रूप में कार्य कर रहे हैं । उन्होंने चुनाव के दौरान मीडिया द्वारा स्वीप गतिविधियों को प्रभावी रूप से प्रचार प्रसार कर मतदाताओं को जागरूक करने के लिए मीडिया की सराहना की ।

शासन की नीतियों और प्रावधानों के बारे में जागरूक करने में मीडिया की महत्वपूर्ण भूमिका है- सीहोर जिले के पुलिस अधीक्षक श्री मयंक अवस्थी ने कहा कि सरकार की नीतियों और प्रावधानों के बारे में आम जन को जागरूक करने में मीडिया की भूमिका महत्वपूर्ण है । उन्होंने कहा कि हाल ही में कानून व्यवस्था को बेहतर बनाने और तकनीक को विधिक प्रणाली में समावेश करने के लिए भारत सरकार ने नए संशोधन और नामकरण किए हैं । उन्होंने पत्रकारों से भारतीय न्याय संहिता के विभिन्न प्रावधानों की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाने का आग्रह किया ।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीआईबी, भोपाल के अपर महानिदेशक श्री प्रशांत पाठराबे ने पीआईबी की गतिविधियों से पत्रकारों को रूबरू कराया । उन्होंने कहा कि मीडिया कार्यशाला 'वार्तालाप' एक सार्थक संवाद का माध्यम है । उन्होंने पत्रकारों से भारत सरकार द्वारा संचालित की जा रही विभिन्न महत्वपूर्ण योजनाओं विशेषकर प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को जन-जन तक पहुंचाने की अपील की ।कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार श्री रामनारायण ताम्रकार ने भी अपने विचार रखे । कार्यशाला में शामिल होने वाले पत्रकारों को विधायक श्री गोपाल इंजीनियर ने सहभागिता प्रमाण पत्र वितरित किए । कार्यक्रम में जनसंपर्क विभाग की महती भूमिका रही ।

केंद्र सरकार की योजनाओं की दी जानकारी–कार्यक्रम में सीहोर के डिप्टी कलेक्टर श्री मनीष शर्मा ने प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना के बारे में विस्तार से जानकारी दी । उन्होंने कहा कि लगभग 75 हजार करोड़ की इस योजना में छत पर सौर ऊर्जा स्थापित करने और एक करोड़ घरों के लिए हर महीने 300 यूनिट तक बिजली प्रदान करने का प्रावधान किया गया है ।कार्यक्रम में श्री के.के पांडेय, उप संचालक, जिला किसान कल्याण एवं विकास विभाग ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना पर विस्तार से प्रकाश डाला । उन्होंने कहा कि फरवरी के आखिरी हफ्ते में इस योजना की 16वीं किस्त जारी की गई है

पाटन के शेठ एम.एन.हाईस्कूल में 'प्रतिबिम्ब' वार्षिक महोत्सव 2024 आयोजित

शेठ एम.एन. हाईस्कूल के पूर्व छात्र मोतीभाई पटेल और हर्षदभाई पटेल ने स्कूल की गतिविधियों से प्रभावित होकर स्कूल में एक स्मार्ट क्लास बनाने की घोषणा की और प्रिंसिपाल को 2 लाख रुपये का चेक प्रदान किया।

ब्यूरो रीपोर्ट दैनिक पुष्पांजली टुडे

1 मार्च 2024 को उत्तर गुजरात युवा मंडल संचालित शेठ एम.एन हाईस्कूल में ÷प्रतिबिंब÷ वार्षिक महोत्सव 2024 आयोजित किया गया था। कार्यक्रम की अध्यक्षता माननीय डॉ. जे.के पटेल ने की, उद्घाटन माननीय अशोकभाई चौधरी, जिला शिक्षाअधिकारी, पाटन जिला, पाटन और माननीय श्री मनसुखभाई एन. पटेल, मंत्री, उत्तर गुजरात युवक मंडल, पाटन ने किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में छात्र श्री मोती भाई डी. पटेल (फार्मासिस्ट यूएसए), स्कूल के एक अन्य पूर्व छात्र श्री हर्षद भाई पटेल, विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री अशोकभाई जी. पटेल, जागृत नगरसेवक श्री मनोजभाई.के.पटेल, शेठ वी.के. भूला हाईस्कूल के प्राचार्य श्री अशोकभाई पटेल, प्रशासनिक अधिकारी श्री दिनेशभाई.एस.पटेल, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक विभागों के दोनों पर्यवेक्षक, सेवानिवृत्त शिक्षक, शिक्षक, छात्र और अभिभावक बड़ी संख्या में उपस्थित थे। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रगट्य से की गयी. इसके बाद विद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं वृंद द्वारा प्रार्थना गीत से कार्यक्रम की शुरुआत की गयी. मंच की शोभा बढ़ाने वाले गणमान्य व्यक्तियों का परिचय और विद्यालय का एक संक्षिप्त भ्रमण विद्यालय के उत्साही प्रधानाचार्य श्री धनराजभाई ठक्कर द्वारा प्रस्तुत किया गया। भारतीय परंपरा के अनुसार सभी आने वाले अतिथियों का कुमकुम तिलक, फूलों का गुलदस्ता और खेस से स्वागत और सम्मान किया गया।पूरे स्कूल वर्ष में शैक्षणिक और पाठ्येतर गतिविधियों में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए छात्रों को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में जिला, राज्य या राष्ट्रीय स्तर पर विजेता रहे विद्यार्थियों को पुरस्कार, प्रमाण पत्र या मेडल देकर सम्मानित किया गया।डॉ. राजेंद्रभाई दवे की ओर से हर साल हमारे स्कूल में 10वीं और 12वीं कक्षा के टॉपर्स को स्वर्ण पदक और प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जाता है। यहां बता दें कि यह गोल्ड मेडल और सर्टिफिकेट उनके द्वारा दिए गए एक लाख रुपये के ब्याज से मिला है. इस वर्ष कक्षा 10 में प्रजापति प्रिंस अशोकभाई और कक्षा 12 में परमार किंजल अनिलभाई यह स्वर्ण पदक और प्रमाण पत्र प्राप्त करने के पात्र बने। आज का दिन हमारे विद्यालय परिवार के लिए खुशी और खुशी का दिन

था क्योंकि हमारे विद्यालय के दो पूर्व छात्र श्री मोतीभाई डी. पटेल और हर्षदभाई पटेल, जो विद्यालय की गतिविधियों से प्रभावित थे, ने एक स्मार्ट क्लास बनाने और दो लाख रुपये देने की घोषणा की। 200,000/- दो लाख रुपये का चेक तुरंत विद्यालय के प्रधानाचार्य को प्रदान किया गया इस प्रकार मोतीभाई पटेल और हर्षदभाई पटेल ने शैक्षणिक संस्थान को अपना ऋष्टा अर्पित कीया और जरूरत पड़ने पर स्कूल को तन, मन और धन से मदद करने की इच्छा व्यक्त की। इसके अलावा, हर्षदभाई पटेल ने प्राथमिक और माध्यमिक कक्षा 5 से 12 तक के सभी ग्रेडों में प्रथम टॉपर को प्रति वर्ष. 1,000 और द्वितीय टॉपर को प्रति वर्ष ड़500 देने की घोषणा की...

हमारे विद्यालय के जिला, राज्य या राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा या पाठ्येतर गतिविधियों में अग्रणी रहने वाले लगभग 130 बच्चों को

सम्मानित किया गया। साथ ही विद्यालय परिसर में कोई भी वस्तु खो जाने या खो जाने पर वह हमारे विद्यालय के अन्य छात्रों के हाथ लग जाती है या जब वह मिल जाती है तो वे उसे सीधे विद्यालय में जमा कर देते हैं, इस प्रकार इस वार्षिक उत्सव में सभी गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में इन छात्रों को प्रदान करने के लिए पुरस्कृत किया जाता है। ईमानदारी की इतनी बड़ी मिसाल.की सराहना हुई.सबसे पहले हर्षदभाई पटेल ने अपने भाषण में स्कूल की गतिविधियों की सराहना की और शिक्षकों को बधाई दी।मोतीभाई पटेल ने अपने व्याख्यान में छात्रों को जीवन भर नशे से दूर रहने की सीख दी। आगे मोतीभाई पटेल ने छात्रों से कहा कि आप सभी छात्रों में एक बहुत ही अनोखी शक्ति है। इस शक्ति की सहायता से आप माता-पिता को व्यसन से दूर रखने के साथ-साथ व्यसन से भी मुक्त रख सकते हैं, यह अनोखी शक्ति है प्रेम भावना और गर्मजोशी। विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये, जिनमें वाग्यो रे ढोल भाई वाग्यो रे ढोल सहित गरबा, पिरामिड, तलवारबाजी, ग्रुप गरबा आदि शामिल थे। इस अवसर पर पाटण जिले के जिला शिक्षा अधिकारी श्री अशोकभाई चौधरी साहब ने अपने संबोधन में कहा। कक्षा 10-12 के विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षा के लिए शुभकामनाएँ। सर्वोत्तम उदाहरणों से बच्चों को प्रेरित किया।उन्होंने बच्चों से कहा कि परीक्षा जीवन का एक हिस्सा है.. लेकिन यह परीक्षा जीवन की आखिरी परीक्षा नहीं है, इसलिए परीक्षा का परिणाम कुछ भी हो हमें हर परिस्थिति का डटकर मुकाबला करना चाहिए..उत्तर गुजरात युवा मंडल को सम्मान जो हमारे विद्यालय की प्रगति के लिए निरंतर सोच रहे हैं। मंत्री श्री मनसुखभाई पटेल ने विद्यालय के विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएँ दी तथा विद्यालय की गतिविधियों में सफल एवं पुरस्कार जीतने वाले विद्यार्थियों को भी बधाई दी। साथ ही विद्यालय की गतिविधियों की सराहना की तथा नवनियुक्त आचार्यश्री की कार्यशैली की सराहना की।कक्षा 11 विज्ञान की छात्रा पांचाल माही ने अपने भाषण में कक्षा 10 और 12 की बोर्ड परीक्षा के छात्रों को बधाई दी। लहरों से डर कर नौका पर होती नहीं, सजा करने वालों की कभी हार नहीं होती पंक्तियों से हर छात्र में आत्मविश्वास की सांस भर गई। 11वीं कला वर्ग में पढ़ने वाले ठाकोर पलक ने कहा कि परीक्षा एक उत्सव है, परीक्षा एक यज्ञ है. गुरु के आशीर्वाद से हर परीक्षा में सफलता मिल सकती है।आत्मविश्वास से हर कठिन परिस्थिति का समाधान हो सकता है अंत में कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं उत्तर गुजरात युवक मंडल मा. अध्यक्ष श्री डॉ. जेके पटेल साहब ने अपने अध्यक्षीय भाषण में शिक्षकों के प्रदर्शन पर संतोष व्यक्त किया और उनके प्रदर्शन की सराहना भी की। वार्षिक महोत्सव प्रतिबिम 2024 का सफल प्रबंधन श्रीमती शिल्पाबेन देसाई, वर्षाबेन पटेल और भावेश भाई प्रजापति द्वारा किया गया। कार्यक्रम का धन्यवाद ज्ञापन हायर सेकेण्डरी के पर्यवेक्षक श्री वर्षाबेन द्वारा किया गया। विद्यालय के गणमान्य व्यक्तियों, दानदाताओं, प्रबंधन समिति, सभी शिक्षकों एवं मित्रों को धन्यवाद दिया गया। कार्यक्रम सम्पन्न घोषित किया गया।

श्री सत्य सांई विश्वविद्यालय में चार दिवसीय राष्ट्रीय विज्ञान पर्व का सफल समापन

सीहोर। शहर के पुराने सीहोर भोपाल मार्ग पर स्थित श्री सत्य सांई विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर चार दिवसीय विज्ञान पर्व का आयोजन किया गया। विज्ञान पर्व के अंतिम दिन के समापन कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलगुरू डॉ. मुकेश तिवारी के द्वारा की गयी। कार्यक्रम का सुभारंभ विश्वविद्यालय के कुल सचिव डॉ. हेमन्त शर्मा परीक्षा नियंत्रक डॉ. संजय राठौर कार्यक्रम संयोजक डॉ. राजेन्द्र सिंह कुशवाह एवं डॉ. रश्मि द्विवेदी ने किया।विज्ञान मेला, राष्ट्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी संचार परिषद् (एनसीएसटसी), विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली तथा मध्यप्रदेश विज्ञान और प्रौद्योगिकी परिषद्, भोपाल के सहयोग से आयोजित किया जा रहा था। सत्य सांई विश्वविद्यालय ने 28 फरवरी को क्विज प्रतियोगिता, 29 फरवरी को पेस्टर मेंकिग प्रतियोगिता एवं 1 मार्च को

क्योचर वॉ साइन्स कार्यक्रम आयोजित हुआ। जिसमें विभिन्न संकाय के कुल 563 प्रतियोभागीयों ने हिस्सा लिया। 2 मार्च समापन दिवस के अवसर पर अतिथि स्वागत एवं चार दिवसीय प्रतिवेदन की प्रस्तुती डॉ राजेद्र सिंह कुशवाह द्वारा दी गयी। अतिथि मुख्य वैज्ञानिक एनसीएसटसी विकास शिंदे के द्वारा विकसित भारतीय विज्ञानिको का योगदान विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। अतिथि मुख्य वक्ता संजय सिंह कौरव, सचिव विज्ञान भारती, मध्य भारत प्रांत द्वारा विज्ञान के महत्व, छात्र जीवन के मूल उद्देश्य पर ओजस्वी संबोधन दिया। क्विज प्रतियोगिता में प्रथम मयुरी पाटील, द्वितीय देवाश्री महाजन ने स्थान प्राप्त किया। पोस्टर मेंकिग प्रतियोगिता में प्रथम खुशबु तिवारी एवं द्वितीय स्थान तेजस्वनी परिहार ने प्राप्त किया। सभी विजेताओं को अतिथियों द्वारा समानित किया गया। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के सभी संकाय के डीन, प्राचार्य, प्रशासनिक आधिकारी सहित कई विशिष्ट अधिकारी उपस्थित रहे। परीक्षा नियंत्रक डॉ. संजय राठौर एवं कुल सचिव डॉ. हेमन्त शर्मा ने अतिथि को स्मृति चिन्ह भेट किये। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ रश्मि द्विवेदी कार्यक्रम में उपस्थित सभी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का सफल संचालन प्रो.अंकित जोशी द्वारा किया गया।

अर्थदण्ड जमा नहीं करने 05 दुकानों को किया गया सील

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने आज 02 मार्च को खरगोन जिले के खाद्य सामग्री तैयार करने एवं विक्रय करने वाले 05 प्रतिष्ठानों द्वारा उन पर लगाया गया अर्थदण्ड समय सीमा में जमा नहीं करने पर उनके प्रतिष्ठानों को सील कर दिया गया है। इनमें 03 प्रतिष्ठान खरगोन के हैं और 02 प्रतिष्ठान महेश्वर के हैं। खाद्य सुरक्षा अधिनियम का पालन नहीं करने के कारण इन प्रतिष्ठानों पर न्यायालय द्वारा अर्थदण्ड लगाया गया था। खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्री एचएल आवास्या ने बताया कि आम उपभोक्ताओं को अमानक एवं गुणवत्ताहीन खाद्य सामग्री विक्रय कर खाद्य सुरक्षा अधिनियम का उल्लंघन करने के कारण न्यायालय द्वारा सिंगाजी दूध डेयरी जैतापुर खरगोन, सांई सेवा एवरफ्रेश जैतापुरा खरगोन, निरबान तेल भण्डार छोटी मोहन टॉकीज खरगोन, जय जलदेव ढाबा महेश्वर एवं श्री दत्ता कन्फ्रेक्शनरी महेश्वर पर अर्थदण्ड लगाया गया था। इन प्रतिष्ठानों के संचालकों द्वारा समय सीमा में अर्थदण्ड की राशि जमा नहीं की गई थी। जिसके कारण खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने आज 02 मार्च को इन प्रतिष्ठानों को सील कर दिया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पेंशन हितग्राहियों के खाते में सिंगल क्लिक से हस्तातंरित की पेंशन की राशि 56 लाख हितग्राहियों के खाते में जमा हुई 340.51 करोड़ रुपए की राशि

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज 02 मार्च को धार में आयोजित कार्यक्रम में सिंगल क्लिक के माध्यम से विभिन्न पेंशन योजनाओं के हितग्राहियों के खातों में माह फरवरी की पेंशन राशि हस्तातंरित की है। मुख्यमंत्री द्वारा सिंगल क्लिक के माध्यम से प्रदेश के 56 लाख पेंशन हितग्राहियों के खाते में 340 करोड़ 51 लाख रुपए की राशि हस्तातंरित की गई है। धार में आयोजित कार्यक्रम का सीधा प्रसारण कलेक्ट्रेट कार्यालय के एनआईसी वीडियो कान्फ्रेंस रूम में दिखाया गया। इस अवसर पर कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा एवं पेंशन योजनाओं के हितग्राही उपस्थित थे। इस कार्यक्रम का सीधा प्रसारण जिले के नगरीय निकायों एवं ग्राम पंचायतों में भी दिखाया गया। जिन हितग्राहियों के खाते में पेंशन की राशि हस्तातंरित की गई है। उनमें सामाजिक सुरक्षा पेंशन, निर्धन, निराश्रित वृद्धजन, कल्याणी, परित्यक्ता एवं दिव्यांग पेंशन वाले हितग्राही शामिल है। इन हितग्राहियों को प्रतिमाह 600 रुपए की राशि पेंशन के रूप में प्रदान की जा रही है।

श्री शिव के आल्हादमय स्वरूप के साक्षात् का माध्यम है सहजयोग

अहं निर्विकल्प? निराकार रूप? विभुत्वाच्च सर्वत्र सर्वेन्द्रियाणाम् न चासंगतं नैव मुक्तिर्न मेयः चिदानन्द रूपः शिवोऽहम् शिवोऽहम् ॥ आत्माष्टकम्

प. पू. श्री माताजी प्रणित सहजयोग आत्म साक्षात्कार की गाथा है। मै कौन हूँ? इस तत्व ज्ञानात्मक प्रश्न का उत्तर है। अपना भारतदेश प्राचीन काल से इस प्रश्न पर चिंतन करता चला आ रहा है। और इस तथ्य को अपने मनःपटल पर, हृदयपटल पर अंकित करता आ रहा है। भा अर्थात तेज, परमचैतन्य और रत अर्थात् लीन होने की इच्छा करने वाले, अर्थात परमचैतन्य में रत होने की, लीन होने की शुद्ध इच्छा रखने वाले को भारतीय कहा जाता है। आठवीं सदी के महान दार्शनिक आदि-शंकराचार्य जी ने, मैं कौन हूँ? इस प्रश्न का उत्तर देने के लिये आत्माष्टकम् की रचना की होगी। और मैं कौन नही हूँ ये बताकर, मै सर्व प्राणिमात्र के हृदय में स्थित निर्गुण निराकार आत्म

तत्व हूँ, शिवांश हूँ ये हमें बताया है। उस आत्माष्टकम् में वे कहते हैं, - ÷मैं मन नहीं, बुद्धि नहीं, चित्त नहीं, अहंकार नहीं, मैं पंच महाभूत और पंच ज्ञानेन्द्रियां भी नहीं, तो मैं कौन हूँ? मैं आपके हृदयासन पर स्थित शिव हूँ।÷

सहजयोग उस शिव तत्व को पाने की-सरल विधि है, एक आनंदमय चमत्कार है। प. पू श्री माताजी कहते हैं, सहजयोग में मनुष्य अकर्म मे आ जाता है। वो कार्य करते हुए लगता है , कितनों को लगता है कि वो कर्म कर रहा है उसको याद नहीं कि वह कर्म रहा है या प्रेम कर रहा है। उसकी उपस्थिति मात्र से वातावरण सुगंधित, चैतन्यमय व प्रेममय बन जाता है ।

इस प्रकार हमें समझना चाहिए कि आत्मसाक्षात्कार क्या है? आजकल लोग बहुत जल्दी बोर हो जाते हैं अर्थात अपने आप से अपने वातावरण से ऊब जाते हैं, परंतु जिसने अपने हृदय स्थित शिव के प्रेम को पा लिया वो किसी भी परिस्थिति में आनंद ही पाता है। इस रस को जब आप प्राप्त करते हैं तो एक भोलापन आपके अंदर आ जाता है। आप महात्मा तुल्य हो जाते हैं। जिसे कोई भी कष्ट नहीं हो सकता । कोई व्यक्ति इसे मारने आ जाये, तो उसका परिवर्तन हो सकता है। कोई सताने आ जाये तो उसे सुबुद्धि आ सकती है। शिवतत्व में ऐसे गुण हैं कि सहज में ही आपके अंदर धर्म आ जायेगा, सहज में ही आपमें माधुर्य आ जायेगा, सहज में ही बालकों सी अबोधिता और परिपक्वता भी आ जायेगी।

तो आईये प. पू. श्रीमाताजी के श्रीचरणों मे नत होकर प्रार्थना करते हैं, श्रीमाताजीहमारे उत्थानमार्ग में आनेवाली बाधाओं को दूर कर हमारा शिवतत्व प्रकाशित कर दीजिए।अपने आत्म साक्षात्कार को प्राप्त करने हेतु अपने नज़दीकी सहजयोग ध्यान केंद्र की जानकारी टोल फ्री नंबर 1800 2700 800 से प्राप्त कर सकते हैं या वेबसाइटपर देख सकते हैं।

जो आपके पास है, वो आप गुरु को समर्पित कर दो और जो उनके पास है वो ले लो, माला माल हो जाओगे

संकल्प बनाओ कि अब हम अपने कर्मों को सेवा, भजन के द्वारा काट करके फिर यहां आएंगे

उज्जैन (म.प्र.) दुःख तकलीफों की ज? कर्मों को ही काट देने के सरल उपाय बता कर जीवन को सुखी बनाने का उपाय बताने वाले, व?त के पूरे समर्थ सन्त सतगुरु, दुःखहर्ता, उज्जैन वाले बाबा उमाकान्त जी महाराज ने अधिकृत यूट्यूब चैनल जयगुरुदेवयूकेएम पर लाइव प्रसारित संदेश में बताया कि मुख्य रूप से समझो, कर्म, सेवा के द्वारा कटते है। सेवा के लिए जो भी जैसे आदेश हो जाए, उससे कर्म कटते है, भजन से कर्म कटते है। इसलिए ये प्रचार प्रसार कराया जा रहा है, लोगों को नशे से दूर रहने, शाकाहारी चरित्रवान बनाने के लिए, जो हाथ जोड़ कर प्रार्थना किया जा रहा है कि हाथ जोड़ कर विनय हमारी, तजो नशा बनो शाकाहारी, छोड़ो व्यभिचार बनो ब्रह्मचारी, सतयुग लाने की करो तैयारी।जो आपके पास है, वो आप गुरु को दे दो और जो उनके पास है वो ले लो, माला माल हो जाओगे

सेवा के द्वारा कर्म कटते हैं तो सेवा के लिए बता दिया गया। प्रचार करो, लोगों को शाकाहारी, नशा मुक्त, ब्रह्म में विचरण करने वाला, आने वाले सतयुग को देखने लायक बनाओ। अब मुंह से तो कुछ बोलना पड़ेगा, कुछ चलना पड़ेगा, कहना पड़ेगा, दो बात सुनना भी पड़ेगा। अब उसी से आप समझो, (अगर आप ये सोचो कि) हमारा अपमान हो जाएगा, हमारा शरीर है, पैदल जाने में, मुंह से बोलने में हमारे को तकलीफ होगी तो कहां से गुरु खुश होंगे? कहां से आपका हाथ पक?ेंगे? तो सेत (आसानी) में कोई चीज मिलती है? पसीना बहाना पड़ता है। देखो लोग काँटों पर सोते रहते थे, तपस्या करते रहते थे। बैसाख, जेठ के महीने में दोपहर बारह बजे बैठ करके अपने चारों तरफ आग जलाते थे और मटके में आग रख करके सिर पर रख करके पंचाग्नि देते थे, शरीर को तपाते थे। लेकिन अब तो तपाना नहीं है। अब इतना भी नही कर सकते हो? भक्ति में अपनी खाल खिंचवा दिया, खाल

सन्त बाबा उमाकान्त जी महाराज

खीच लिया तबरेज की, मीरा ने जहर पी लिया और आप तो खाली पसीना बहा रहे हो। आपकी खाल खीची जाने को अभी हो जायेगा तो एक भी नहीं रुकोगे। कैसे गुरु भक्ति आएगी? कैसे परिपक्ता आएगी? सेत में कोई चीज मिलती है? ये सेत वाली चीज नहीं है। अरे जो आपके पास है, वो आप गुरु को दे दो, समर्पित कर दो और जो उनके पास है, वो ले लो तो माला माल हो जाओगे।

छोटा बनकर प्रचार करो -जब उतनी देर के लिए अपने को कुछ नहीं समझोगे, न अपने मान सम्मान की इच्छा रखोगे, न अपने धन-दौलत का अभिमान करोगे, न अपने पढ़ाई-लिखाई का अहंकार रखोगे, न अपने पद-पोस्ट का अहंकार रखोगे, एक छोटा आदमी बन करके, एक प्रचारक बनकर के जब किसी को समझाओगे बताओगे, जब हाथ जोड़कर कहोगे ÷हाथ जोड़कर विनय हमारी, तजो नशा बनो शाकाहारी÷ तब वो इसी से पिघल जाएगा। आपकी बात को सुनने लगेगा, आपकी बात वो कहते-कहते मान जाएगा।

संकल्प बनाओ कि अब हम अपने कर्मों को सेवा, भजन के द्वारा काट कर फिर यहां आएंगे-सब लोग अपने-अपने तरीके से बराबर प्रचार करो। बराबर प्रचार, सेवा, भजन होना चाहिए जिससे आपके कर्म कटें, गुरु को आप अच्छे लगने लग जाओ। जैसे शरीर से कोई साफ सुथरा होता है तो बैठा लेता है, बात करता है। और अगर गंदा आदमी आ जाए, लैट्रिन पेशाब लगा हुआ तो आदमी से, जानवरों से भी लोग घृणा करने लग जाते हैं। मारते हैं कुत्ते को, अगर कहीं नाली में लोट करके आया हो। तो कोई वो अच्छा लगता है? लेकिन वही कुत्ता अगर साफ सुथरा रहता है तो उसको लोग प्यार करने लगते हैं, सिर पर हाथ फेरने लग जाते हैं। ऐसे ही गुरु भी चाहते हैं की साफ सुथरे जीव हमारे पास आवें। वो कर्मों की गंदगी को वही सेवा के द्वारा धो करके तब हमारे पास आवे, के वो भी अच्छे लगे। जैसे जो काम आप करते हो, रंगाई पुताई करते हो वो तो हाथ-पैर में रगड़ जाता है, बदन में लग जाता है, उसी गंदगी को आप देखते हो लेकिन ये जो हाथ-पैर से गलत काम बैठते हो, उन कर्मों को तो आप देख नहीं पाते हो। वो गंदगी अंदर में जमा हो जाती है। उसको साफ करना जरूरी होता है। तो गुरु तो उसको देखते हैं, अंतर के हाल को देखते हैं, जीवात्माओं को देखते है कि वो कैसा है। तो उनको तो वही प्यारा लगता, वही भाता है, जो निर्मल होता है। कहा है- ÷निर्मल मन जन सो मोहि पावा। मोहि कपट छल छिद्र न भावा॥÷ निर्मलता ही उनको प्रभु को पसंद होती है। तो निर्मल हो करके आओ। अब यहां संकल्प बनाओ, त्यौहार में संकल्प बनाओ कि हम अपने कर्मों को सेवा, भजन के द्वारा काट करके फिर यहां आएंगे।

इंदौर अंतर्राष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल के डैंगलर का हुआ अनावरण

बॉलीवुड डे- स्टार फलीक्स 2.0 में प्रेस्टीज संस्थान के स्टूडेंट्स ने प्रस्तुत किया रंगारंग कार्यक्रम

/बॉलीवुड डे- स्टार फलीक्स 2.0 में प्रेस्टीज संस्थान के स्टूडेंट्स ने प्रस्तुत किया रंगारं कार्यक्रम। अन्नू कपूर, ब्धदर 2% फेम के मनीष वाधवा, एक्ट्रेस आर्या शर्मा, फ्रेंच एक्ट्रेस मरियन बॉर्गो फिल्म समारोह में शिरकत करेंगे। इंदौर। आगामी 14 से 16 मार्च को आयोजित होने वाले तीन-दिवसीय प्रेस्टीज इंदौर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल के प्री लॉन्च इवेंट के अंतर्गत आज प्रेस्टीज प्रबंध संस्थान के यूजी कैंपस में बॉलीवुड डे- स्टार फलीक्स 2.0 आयोजित किया गया । इस अवसर पर संस्थान के छात्र छात्राओं ने बॉलीवुड सांग्स पर डांस, ?लैश मॉब परफॉर्म किया। संस्थान के फैकल्टीज एवं स्टूडेंट्स ने फेंसी ड्रेस, विभिन्न पोशाकों को धारण कर रेम्प वाक किया। इसके साथ ही म्युजिकल मैशअप का भी आयोजन हुआ हुआ । बेस्ट ड्रेस्ड स्टूडेंट्स, फैकल्टीज को पुरस्कृत किया गया। बॉलीवुड डे पर कॉलेज में होने वाले इंदौर इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल का डेंगलर का अनावरण पीआईएमआर सीनियर डायरेक्टर डॉ. देबाशीष मलिक, यूजी कैंपस डायरेक्टर कर्नल डॉ. एस रमन अय्यर, डिप्टी डायरेक्टर प्रतीक शर्मा तथा रजिस्ट्रार सलिल सेन गुप्ता द्वारा किया गया। इंदौर अंतर्राष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल के बारे में जानकारी देते हुए संस्थान के पीआईएमआर पीजी कैंपस के सीनियर डायरेक्टर डॉ. देबाशीष मलिक, यूजी कैंपस डायरेक्टर कर्नल डॉ. एस रमन अय्यर ने बताया कि फिल्म फेस्टिवल का इनॉगरल सेरेमनी 14 मार्च को फीनिक्स सिटाडेल मॉल में होगा। ख्यातिप्राप्त फिल्म कलाकार अन्नू कपूर उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि होंगे। इसके अलावा फिल्म ?दर 2 फेम के मुख्य विलेन का चरित्र निभाने वाले मशहूर एक्टर मनीष वाधवा, एक्ट्रेस आर्या शर्मा, बृजेन्द्र काला , फ्रेंच एक्ट्रेस मरियन बॉर्गो भी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित होंगे।

16 मार्च को इंटरनेशनल डीजे ऑली का होगा डीजे नाइट-कार्यक्रम की इनॉगरल सेरेमनी में इंदौर में बनी मूवी की स्क्रिनिंग होगी और सूफ़ी नाईट का आयोजन होगा , 15 मार्च को ओपन एयर थिएटर का आयोजन होगा तथा 16 मार्च को डीजे नाईट इंटरनेशनल डीजे ऑली के साथ होगी। फिल्म फेस्टिवल के दौरान कई प्रतियोगिताएं और एक्टिविटी का आयोजन होगा जिसमें मास्टर क्लास, इन-कन्वर्सेशन होगा । डॉ मल्लिक ने बताया कि प्रेस्टीज प्रबंदग संस्थान द्वारा पिछले 6 सालों से अंतर्राष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है। यह वर्ष फिल्म फेस्टिवल का 7वां साल है और इसे इंदौर अंतर्राष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल का नाम दिया गया है। उन्होंने कहा कि इस फेस्टिवल का मुख्य उद्देश्य छात्रों में शिक्षण के अलावा उन्हें इवेंट ऑर्गेनाइज करने और फिल्म इंडस्ट्री की प्रेक्टिकल जानकारी दी जा सके ।

स्व. उस्ताद आमिर खान, राहत इंदौरी, अन्नू कपूर का होगा सम्मान-पीआईएमआर यूजी कैंपस के डायरेक्टर, कर्नल डॉ एस रमन अय्यर ने कहा कि इस बार अंतर्राष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल में इंदौर एवं मध्य प्रदेश के विभिन्न कलाकारों को जिन्होंने फिल्म, कला, रंगमंच, संगीत के क्षेत्र में इंदौर एवं राज्य का नाम गौरवान्वित किया है, उन्हें सम्मानित किया जायेगा। स्व. उस्ताद आमीर खान जी को स्वर श्रद्धा सम्मान दिया जाएगा जो कि उनके बेटे एक्टर शहबाज खान लेंगे, इसी के साथ मशहूर कवि स्व. डॉ. राहत इंदौरी को ब्धम्मोर्टल लिटरेरी ट्रिब्यूट से नवाजा जाएगा। यह सम्मान उनके पुत्र सतलज इंदौरी लेंगे । क्लासिकल वोकलिस्ट गौतम काले को म्यूजिकल एंबेसडर फॉर चेंज इन सोसाइटी अवॉर्ड दिया जाएगा, ब्लव ऑल के फिल्म डायरेक्टर सुधांशु शर्मा को स्टेलर अवार्ड इन डायरेक्शन, इसी के साथ लाइफ टाइम अचिवमेंट अवॉर्ड एक्टर अन्नू कपूर को दिया जाएगा ।

पद्मश्री डॉ. एन.एन. जैन 48 आवर फिल्म मेकिंग कॉम्पीटिशन का होगा आयोजन-इंदौर अंतर्राष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल के कोऑर्डिनेटर डॉ जुबेर खान ने कहा कि तीन दिवसीय इंदौर अंतर्राष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल के दौरान पद्मश्री डॉ. एन.एन. जैन - 48 आवर फिल्म मेकिंग कॉम्पीटिशन का आयोजन होगा, जिसमें स्टूडेंट्स को 48 घंटे में दिए गए टॉपिकस पर मूवी कम्प्लीट करनी होगी । इसी के साथ इंदौर और इंटरनेशनल लेवल पर बनाई गई कई मूवीज की स्क्रिनिंग कराई जाएंगी । इंडियन मूवी में विलेज रॉकस्टार, वीच कलर, इंटरनेशनल मूवी में इंडोनेशिया से कंपास, मंगोलिया से डियर सोल, कोरिया से द्वा अराह ङ्क टू वे जैसी मूवी स्क्रिन होंगी ।

कोटपा अधिनियम के तहत मानिकपुर थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थानों में की गई कार्यवाही

कोरबा / कलेक्टर श्री अजीत वसंत के मार्गदर्शन तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस. एन. केशरी के निर्देशानुसार डॉ. कुमार पुष्पेश नोडल अधिकारी एनटीसीपी के नेतृत्व में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत डॉ. मानसी जायसवाल, जिला सलाहकार (एनटीसीपी) श्री सुनील कुमार सांडे ड्रग इंपेक्टर श्री प्रेमचंद साहू, थाना प्रभारी मानिकपुर की संयुक्त टीम के द्वारा मानिकपुर थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थानों में कोटपा एक्ट के तहत कार्यवाही की गई। सीएमएचओ ने बताया कि मानिकपुर थाना क्षेत्र के 11 जगह कोटपा अधिनियम के तहत कार्यवाही किया गया है। जिसके अंतर्गत 08 चालानी कार्यवाही में 1000 रूपये वसूल किया गया। साथ ही 03 स्थानों पर समझाइश दी गई।इस दौरान आमजनों को कोटपा एक्ट-2003 के धारा 04 के तहत सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान पर प्रतिबंध, धारा 5 के तहत सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पादन के विज्ञापन पर प्रतिबंध, धारा 6 के तहत नाबालिकों और शैक्षणिक संस्थानों के आसपास सिगरेट या अन्य तम्बाकू उत्पादों की बिक्रि पर प्रतिबंध, बिना विशिष्ट स्वास्थ्य चेतावनियों के सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबंध के संबंध में जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि धारा 4 एवं 6 के तहत 200 रूपये तक जुर्माना किया जा सकता है। साथ ही तम्बाकू उत्पाद बेचने पर प्रतिबंधित करने वाले पोस्टर दुकानों में चस्पा किया गया तथा तम्बाकू उत्पाद नहीं बेचने हेतु निर्देशित किया गया।कोरबा / कलेक्टर श्री अजीत वसंत के मार्गदर्शन तथा मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस. एन. केशरी के निर्देशानुसार डॉ. कुमार पुष्पेश नोडल अधिकारी एनटीसीपी के नेतृत्व में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत डॉ. मानसी जायसवाल, जिला सलाहकार (एनटीसीपी) श्री सुनील कुमार सांडे ड्रग इंपेक्टर श्री प्रेमचंद साहू, थाना प्रभारी मानिकपुर की संयुक्त टीम के द्वारा मानिकपुर थाना क्षेत्र के विभिन्न स्थानों में कोटपा एक्ट के तहत कार्यवाही की गई। सीएमएचओ ने बताया कि मानिकपुर थाना क्षेत्र के 11 जगह कोटपा अधिनियम के तहत कार्यवाही किया गया है। जिसके अंतर्गत 08 चालानी कार्यवाही में 1000 रूपये वसूल किया गया। साथ ही 03 स्थानों पर समझाइश दी गई।इस दौरान आमजनों को कोटपा एक्ट-2003 के धारा 04 के तहत सार्वजनिक स्थानों पर धूम्रपान पर प्रतिबंध, धारा 5 के तहत सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पादन के विज्ञापन पर प्रतिबंध, धारा 6 के तहत नाबालिकों और शैक्षणिक संस्थानों के आसपास सिगरेट या अन्य तम्बाकू उत्पादों की बिक्रि पर प्रतिबंध, बिना विशिष्ट स्वास्थ्य चेतावनियों के सिगरेट और अन्य तम्बाकू उत्पादों की बिक्री पर प्रतिबंध के संबंध में जानकारी दी गई। उन्हें बताया गया कि धारा 4 एवं 6 के तहत 200 रूपये तक जुर्माना किया जा सकता है। साथ ही तम्बाकू उत्पाद बेचने पर प्रतिबंधित करने वाले पोस्टर दुकानों में चस्पा किया गया तथा तम्बाकू उत्पाद नहीं बेचने हेतु निर्देशित किया गया।

कक्षा बारहवीं हिन्दी विषय का परीक्षा सम्पन्न, 98 प्रतिशत परीक्षार्थी उपस्थित

कोरबा /छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल रायपुर द्वारा संचालित कक्षा 12वीं बोर्ड परीक्षा वर्ष 2024 अंतर्गत 01 मार्च को हिन्दी विषय का परीक्षा सम्पन्न हुआ। सहायक नोडल अधिकारी ने बताया कि जिले में कुल पंजीकृत विद्यार्थी 10367 हैं, जिनमें से 10192 विद्यार्थियों ने परीक्षा दिलायी। इस प्रकार लगभग 98 प्रतिशत विद्यार्थी परीक्षा में शामिल हुए। सभी परीक्षा केंद्रो में शांति पूर्वक परीक्षा संचालित हुआ। परीक्षा में निरीक्षण के दौरान कोई भी नकल प्रकरण नहीं

भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान पूर्व अखिल भारतीय कांग्रेस अध्यक्ष माननीय राहुल गांधी जी पहुंचेंगे मुरैना।

मुरैना- कल दिनांक 2 मार्च 2024 शनिवार को पूर्व अखिल भारतीय कांग्रेस

अध्यक्ष माननीय राहुल गांधी जी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा मुरैना की पावन धरा पर पहुंचेगी। यात्रा के दौरान सुबह 11ः00 बजे डॉ. भीमराव अंबेडकर स्टेडियम मुरैना में माननीय राहुल गांधी जी आमसभा को संबोधित कर भाजपा की नाकामी और विफलताओं को उजागर करेंगे।जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण अध्यक्ष मधुराज तोमर एवं जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष दीपक शर्मा ने समस्त विधायकगण, पूर्व विधायकगण, महापौर, सभापति, समन्वय समिति सदस्यगण, प्रदेश पदाधिकारीगण, संगठन मंत्रीगण, पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्षगण, सभी ब्लॉक अध्यक्षगण, पूर्व ब्लॉक अध्यक्षगण, वर्तमान एवं पूर्व जिला पंचायज/जनपद पंचायत/नगर निगम / नगर पालिका/नगर पंचायत के निर्वाचित जनप्रतिनिधि, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, एन.एस.यू.अ आई, सेवादल के अध्यक्षगण, कार्यकारी अध्यक्षगण, समस्त प्रकोष्ठ एवं विभागों के अध्यक्षगण, किसान कांग्रेस, आई.टी सेल के अध्यक्षगण, पार्षदगण एवं पूर्व पार्षदगण, मंडल एवं सेक्टर के अध्यक्षगण, क्क्र सरपंच, कनिष्ठ, वरिष्ठ कांग्रेसजन, सभी कांग्रेस कार्यकर्तागण एवं मुरैना जिले की समस्त जनता जनार्दन से अपील की है कि हजारों-हजारों संख्या में पधारकर होने वाली आमसभा को सफल बनाएं।

कोरबा प्रवास 02 मार्च को

कोरबा / नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरण दास महंत 02 मार्च 2024 को सुबह 09:30 बजे रायपुर से कोरबा हेतु प्रस्थान करेंगे। डॉ. महंत दोपहर 01 कोरबा पहुंचेंगे एवं इंदिरा स्टेडियम ऑडीटोरियम टी. पी. नगर कोरबा में जिला साहू संघ द्वारा आयोजित युवक-युवती परिचय सम्मेलन एवं स्मारिका विमोचन कार्यक्रम में सम्मिलित होंगे। दोपहर 03 बजे डॉ. महंत रायपुर हेतु प्रस्थान करेंगे।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एवं सहायिका के रिक्त पदों हेतु आवेदन आमंत्रित

इच्छुक आवेदिकाएं 21 मार्च तक कर सकते हैं आवेदन

कोरबा एकीकृत बाल विकास परियोजना कोरबा (शहरी) अंतर्गत आंगनबा?ी केंद्रों में आंगनबा?ी कार्यकर्ता के 03 एवं सहायिका के 15 रिक्त पदों के लिए भर्ती हेतु आवेदन आमंत्रिए किए गए हैं। आवेदन की प्रक्रिया 07 मार्च से प्रारंभ की जाएगी। की तिथि निर्धारित की गई है। परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास से प्राप्त जानकारी के अनुसार आंगनबा?ी कार्यकर्ता हेतु शैक्षणिक योग्यता 12वीं तथा सहायिका पद के लिए 8वीं पास वांछनीय है। आवेदिका की आयु 18 से 44 वर्ष के मध्य होना चाहिए। आवेदिका को संबंधित वार्ड का निवासी होना अनिवार्य है, जिसके लिए आवेदन किया जा रहा है। आवेदन पत्र पर पद एवं केंद्र के नाम का स्पष्ट उल्लेख करना आवश्यक है।

इच्छुक आवेदिकाएं निर्धारित प्रारूप में अपना आवेदन सीधे अथवा पंजीकृत डाक से परियोजना कार्यालय में 21 मार्च 2024 प्रातः 11 बजे से 05 बजे तक कार्यालयीन दिवसों में जमा कर सकते हैं। आवेदन की शर्तें तथा प्रारूप परियोजना कार्यालय कोरबा (शहरी), नगर निगम कार्यालय के सूचना पटल एवं संबंधित वार्डों के आंगनबा?ी केंद्रो के सूचना पटल का अवलोकन किया जा सकता है। साथ ही नियुक्ति के संबंध में अधिक जानकारी परियोजना कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

संपादक की कलम से

गरीबी के दंश से बाहर निकल रहा है भारत

भारतीय शहरी और ग्रामीण दोनों ही क्षेत्रों में प्रगति हो रही है। हाल ही में नीति आयोग ने यह कहा है कि भारत का गरीबी स्तर पांच प्रतिशत से नीचे आया है। दरअसल नवीनतम घरेलू उपभोक्ता व्यय सर्वेक्षण द्वारा जारी आंकड़ों में यह बात सामने आई है और उसी के हवाले से नीति आयोग ने यह बात कही है कि भारत अब लगातार समृद्धि की ओर बढ़ रहा है। जानकारी देना चाहूंगा कि घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण आमतौर पर राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा हर पांच साल में आयोजित किया जाता है। वास्तव में, इस सर्वेक्षण का उद्देश्य देश के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों और विभिन्न सामाजिक-आर्थिक समूहों के लिए घरेलू मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय (एमपीसीई) और इसके वितरण का अलग-अलग अनुमान तैयार करना है। जानकारी देना चाहूंगा कि राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय यानी कि एनएसएसओ द्वारा कुछ समय पहले जारी आंकड़ों के अनुसार, प्रति व्यक्ति मासिक घरेलू खर्च वर्ष 2011-12 की तुलना में वर्ष 2022-23 में दोगुना से अधिक हो गया है, जो देश में समृद्धि के बढ़ते स्तर को दशार्ता है।आंकड़ों से पता चलता है कि सभी श्रेणियों के लिए औसत प्रति व्यक्ति मासिक व्यय ग्रामीण क्षेत्रों में 3,773 रुपये और शहरी क्षेत्रों में 6,459 रुपये है। दरअसल,प्रति व्यक्ति मासिक घरेलू खर्च दुगुना हो गया है। इस वृद्धि को पूरी आबादी के जीवन स्तर में अहम सुधार का संकेत माना जा सकता है। वैसे कहा यह भी जा सकता है कि घरेलू खर्च में यह बढ़ोतरी बेलगाम महँगाई का भी प्रतिबिंब है।निचले 0-5 प्रतिशत वर्ग का औसत प्रति व्यक्ति मासिक व्यय ग्रामीण क्षेत्रों में 1,373 रुपये और शहरी क्षेत्रों में 2,001 रुपये आंका गया है। आंकड़ों से यह बात पता चलती है कि ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में खपत लगभग 2.5 गुना बढ़ गई है।यह बताता है कि आज देश में शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में प्रगति हो रही है।ग्रामीण क्षेत्रों में खपत शहरी क्षेत्रों की तुलना में तेजी से बढ़ रही है, जिससे दोनों क्षेत्रों(ग्रामीण व शहरी)के बीच असमानताएं कम हो रही हैं। जानकारी देना चाहूंगा कि सर्वेक्षण में सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के लाभ को भी शामिल किया गया है, जिसने उन गरीब परिवारों की खपत में योगदान दिया है, जिन्हें अपने बच्चों के लिए मुफ्त खाद्यान्न और साइकिल और स्कूल यूनिफॉर्म जैसे सामान मिले हैं। सर्वेक्षण से पता चलता है कि वर्ष 2011-12 में अंतर 84 प्रतिशत था और वर्ष 2022-23 में घटकर 71 प्रतिशत हो गया है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2004-05 में यह अंतर 91 प्रतिशत था। एनएसएसओ सर्वेक्षण देश में ग्रामीण और शहरी दोनों परिवारों के कुल खर्च में अनाज और भोजन की खपत की हिस्सेदारी में उल्लेखनीय गिरावट का भी संकेत देता है। इसका मतलब है कि लोग अतिरिक्त आय के साथ समृद्ध हो रहे हैं।इस बढ़ी हुई समृद्धि के साथ वे भोजन के अलावा अन्य चीजों पर अधिक खर्च कर रहे हैं। यहां तक कि भोजन में भी, अधिक दूध पी रहे हैं, फल और अधिक सब्जियां खा रहे हैं। हालांकि भोजन और अनाज की हिस्सेदारी में कमी आई है। इस दौरान गैर-खाद्य वस्तुओं जैसे फ्रिज, टेलीविजन, बेव्रेज और प्रोसेस्ड फूड, स्वास्थ्य और परिवहन पर खर्च बढ़ गया है, जबकि अनाज और दालों जैसे खाद्य पदार्थों पर खर्च धीमा हो गया है।

खाने पर खर्च साल 1999-2000 में 48.06%, 2004-05 में 40.51%, 2009-10 में 44.39%, 2011-12 में 42.62% था, जो अब 39.70% हो गया है। वहीं गैर-खाद्य वस्तुओं का खर्च 1999-2000 में 51.94%, 2004-05 में 59.49%, 2009-10 में 55.61%, 2011-12 में 57.38% था, जो अब 60.30% हो गया है। मल्टी डायमेंशनल पावर्टी इंडेक्स द्वारा जारी एक अध्ययन के अनुसार, पिछले नौ वर्षों में भारत में 24.82 करोड़ लोग बहुआयामी गरीबी से उबर गए हैं। स्टडी में कहा गया है कि गरीबी अनुपात में 2013-14 में 29.17 प्रतिशत से भारी गिरावट आई है और 2022-23 में 11.28 प्रतिशत हो गई है, जो 17.89 प्रतिशत अंक की कमी है। जानकारी देना चाहूंगा कि इसके अनुसार उत्तर प्रदेश में पिछले नौ वर्षों के दौरान 5.94 करोड़ लोगों के बहुआयामी गरीबी से बाहर निकलने के साथ गरीबों की संख्या में सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई है, इसके बाद बिहार में 3.77 करोड़, मध्य प्रदेश में 2.30 करोड़ और राजस्थान में 1.87 करोड़ लोग हैं। इसी बीच यह भी बताता चलूं कि नीति आयोग ने यह भी कहा है कि भारत वर्ष 2030 से पहले ही बहुआयामी गरीबी को आधा करने के अपने लक्ष्य को हासिल कर लेगा। दरअसल,पोषण अभियान और एनीमिया मुक्त भारत जैसी उल्लेखनीय पहलों ने स्वास्थ्य सुविधाओं तक पहुंच में उल्लेखनीय वृद्धि की है, जिससे अभाव में काफी कमी आई है। दुनिया के सबसे बड़े खाद्य सुरक्षा कार्यक्रमों में से एक का संचालन करते हुए राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत लक्षित सार्वजनिक वितरण प्रणाली 81.35 करोड़ लाभार्थियों को कवर करती है, जो ग्रामीण और शहरी आबादी को खाद्यान्न प्रदान करती है। इतना ही नहीं, मातृ स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न कार्यक्रम, उज्ज्वला योजना के माध्यम से स्वच्छ खाना पकाने के ईंधन वितरण, सौभाग्य के माध्यम से बिजली कवरेज में सुधार और स्वच्छ भारत मिशन व जल जीवन मिशन जैसे परिवर्तनकारी अभियानों ने सामूहिक रूप से लोगों की रहने की स्थिति और समग्र कल्याण बढ़ाया है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री जन धन योजना और पीएम आवास योजना जैसे प्रमुख कार्यक्रमों ने वित्तीय समावेशन और वंचितों को आवास मुहैया कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह बहुत महत्वपूर्ण है कि भारतीय घरों में औसत मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय (एमपीसीई) 2011-12 के बाद से शहरी परिवारों में 33.5% बढ़कर ?3,510 हो गया, जबकि ग्रामीण भारत का एमपीसीई इसी अवधि में 40.42% की वृद्धि के साथ ?2,008 तक पहुंच गया। इतना ही नहीं,ग्रामीण परिवारों के लिए भोजन पर खर्च का अनुपात 2011-12 में 52.9% से घटकर 46.4% हो गया है, जबकि उनके शहरी समकक्षों ने भोजन पर अपने कुल मासिक व्यय का केवल 39.2% खर्च किया है, जबकि 11 साल पहले यह 42.6% था।

लोकसभा चुनाव में तमिलनाडु में हो सकता है त्रिकोणीय मुकाबला

- के आर सुधामन

तमिलनाडु में गठबंधन को लेकर अभी साफ तस्वीर सामने आना बाकी है। परंपरागत रूप से द्रमुक के साथ रहने वाली कुछ छोटी पार्टियों ने द्रविड़ पार्टी के साथ जाने का अपना फैसला दोहराया है। अब तक डीएमके ने इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग को 1 लोकसभा सीट दी है। दूसरी सीट कोंगुनाडुमक्कलदेसियाकाची को दिए गए। ये डीएमके के दो छोटे साझेदार हैं, जिन्होंने पिछली बार भी गठबंधन का हिस्सा बनकर चुनाव लड़ा था।2024 के लोकसभा चुनावों के लिए तमिलनाडु में राजनीतिक सीटों की साझेदारी के संबंध में अभी तक विभिन्न पार्टियों के बीच समझौते पूरे नहीं हुए हैं। राज्य में आधी सदी या उससे भी अधिक समय से राजनीति दो द्रविड़ पार्टियों द्रमुक और अन्नाद्रमुक के इर्द-गिर्द घूमती रही है। कुछ साल पहले द्रमुक के संरक्षक एम करुणानिधि और अन्नाद्रमुक सुप्रीमो जे जयललिता की मृत्यु के बाद से दोनों दलों, जिनके पास लगभग 30 से 35 प्रतिशत वोट शेयर थे, निश्चित रूप से कम हो गये हैं। तब से दोनों द्रविड़ पार्टियों का व्यक्तिगत वोट शेयर घटकर 20-25 प्रतिशत रह गया है और जैसा कि हमने पिछले कुछ चुनावों में देखा था, जो भी पार्टी बेहतर गठबंधन बनाती है, वह जीतती है, चाहे वह तमिलनाडु विधानसभा का चुनाव हो या लोकसभा का।तमिलनाडु में सत्ता में आने वाले पार्टी संयोजन को लगभग 40 प्रतिशत वोट हासिल करने होते हैं, इसलिए चुनाव जीतने के लिए आवश्यक अतिरिक्त 15 से 20 प्रतिशत वोट गठबंधन सहयोगियों से आना होता है, जिसमें से कोई भी पार्टी शामिल हो जाती है। राष्ट्रीय पार्टियों ने अतीत में किसी न किसी द्रविड़ पार्टियों के साथ गठबंधन किया है, जिससे उनके प्रति कोई वैचारिक बाधा नहीं होने का संकेत मिलता है। हर चुनाव में एक तीसरा मोर्चा भी होता है, जिसे लगभग 15-20 प्रतिशत वोट मिलते हैं क्योंकि तमिलनाडु की आबादी का एक प्रतिशत ऐसा है, जो द्रविड़ पार्टियों या उनके संयोजन में से किसी को वोट नहीं देता है।

पिछले कुछ समय से तमिलनाडु के चुनावों का यही गणित रहा है। हालांकि कांग्रेस के 1967 में राज्य की सत्ता से बाहर होने पर भी हर निर्वाचन क्षेत्र में उसके कुछ प्रतिबद्ध मतदाता हैं और वे लगभग 8-12 प्रतिशत वोट बनाते हैं, जो इस बात पर निर्भर करता है कि हवा किस तरफ है। इसलिए कांग्रेस जिस द्रविड़ पार्टी के साथ गठबंधन करती है, उसे वर्तमान परिस्थितियों में चुनाव जीतने में बढ़त हासिल होती है। हाल ही में, अन्नामलाई के नेतृत्व में, भाजपा तमिलनाडु में एक बड़ी ताकत बनकर उभर रही है, खासकर युवाओं के बीच, जो दो द्रविड़ पार्टियों के बढ़ते भ्रष्टाचार और जाति-आधारित राजनीति से तंग आ चुके हैं। पिछले 2021 के विधानसभा चुनाव में भाजपा का वोट शेयर करीब 4-5 फीसदी था, इस बार 14-15 फीसदी तक जाने की उम्मीद है। भाजपा, जिसने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह किसी भी द्रविड़ पार्टी के साथ गठबंधन का हिस्सा नहीं होगी, दिवंगत फिल्मस्टार से राजनेता बने विजयकांत की पार्टी जैसी कुछ छोटी पार्टियों के साथ गठबंधन कर सकती है और इससे अतिरिक्त 10-12 सीटें मिल सकती हैं।फिलहाल डीएमके इंडिया गठबंधन का हिस्सा है, लेकिन कांग्रेस के साथ सीटों की साझेदारी पर चर्चा अभी शुरू नहीं हुई है। अगर राज्य में बड़ा साझेदार होने के नाते डीएमके सीट बंटवारे की कवायद में सख्त रुख अपनाती है, तो कांग्रेस के सख्त रुख अपनाने की संभावना हमेशा बनी रहती है। एआईएडीएमके ने कुछ समय पहले भाजपा के साथ अपना गठबंधन तोड़ दिया है और बार-बार यह स्पष्ट किया है कि वह कम से कम 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए भाजपा से हाथ नहीं मिलायेगी।

अधिकतम मतदान का आव्हान एक क्रांतिकारी शुरूआत

- ललित गर्ग -

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम से तीन माह के लिए विराम लेते हुए लोकतंत्र के महाकुंभ चुनाव में पहली बार वोटर बने युवाओं से रिकार्ड संख्या में मतदान का आग्रह किया। अधिकतम संख्या में मतदान लोकतंत्र की जीवंतता का प्रमाण होने के साथ लोकतंत्र के बलशाली होने का आधार हैं और जनता की सक्रिय भागीदारी का सूचक है। इस बार लोकसभा चुनाव में मतदाताओं की संख्या लगभग 97 करोड़ है, इनमें बड़ी संख्या युवाओं की है। इसीलिये मोदी ने मतदान में युवाओं की सक्रिय भागीदारी का आह्वान करके एक जागरूक, सक्षम एवं जुझारु राजनेता का परिचय दिया है। अधिकतम मतदान भारतीय लोकतंत्र को अधिक स्वस्थ, सुदृढ़ एवं पारदर्शी बनाने की एक सार्थक मुहिम है। सभी मतदाताओं को मतदान के प्रति वैसा ही उत्साह दिखाना चाहिए जैसा कुछ समय से महिलाएं दिखा रही हैं। प्रधानमंत्री ने युवाओं से यह भी अपील की कि वे राजनीतिक गतिविधियों का हिस्सा बनें और राजनीतिक-चर्चाओं को लेकर जागरूक भी रहें। विशेषतः विभिन्न राजनीतिक दलों की लोकलुभावन घोषणाओं एवं चुनावी घोषणा पत्रों पर युवाओं को गहराई से जानकारी हासिल करना चाहिए कि इन घोषणाओं का आधार क्या है, इनके लिये धन कहां से आयेगा? चुनावी तैयारियों का जायजा लेने चेन्नई गए मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने इसी बात को उठाते हुए कहा है कि यदि राजनीतिक दलों को अपने घोषणापत्रों में लोकलुभावन वादे करने का अधिकार है तो मतदाताओं को यह जानने का हक भी है कि क्या वे वादे व्यावहारिक हैं और उन्हें लागू करने के लिए धन का प्रबंध कहां से किया जाएगा।

अगले माह लोकसभा चुनाव की संभावित घोषणा और उसके चलते आचार संहिता लागू हो जायेगी। अधिकतम मतदान लोकतंत्र में जन-भागीदारी का अवसर मात्र ही नहीं हैं, बल्कि देश की दशा-दिशा तय करने में आम आदमी के योगदान का भी परिचायक है। अधिकतम मतदान के लिए माहौल बनाने की आवश्यकता इसलिए है, क्योंकि देश के कुछ हिस्सों में मतदान प्रतिशत अपेक्षा से कहीं कम होता है। विडंबना यह है कि आमतौर पर कम प्रतिशत महानगरों में अधिक देखने को मिलता है। इसका कोई मतलब नहीं कि सरकारों अथवा राजनीतिक दलों के तौर-तरीकों की आलोचना तो बढ़-चढ़कर की जाए, लेकिन मतदान करने में उदासीनता दिखाई जाए। आमतौर पर मतदान न करने के पीछे यह तर्क अधिक सुनने को मिलता है कि मेरे अकेले के मत से क्या फर्क पड़ता है? एक तो यह तर्क सही नहीं, क्योंकि कई बार दो-चार मतों से भी हार-जीत होती है और दूसरे, अगर सभी यह सोचने लगें तो फिर लोकतंत्र कैसे सबल एवं सक्षम होगा? इस दृष्टि से प्रधानमंत्री मोदी का अधिकतम मतदान को प्रोत्साहन देने का उपक्रम एवं आव्हान एक क्रांतिकारी शुरूआत कही जा सकती है। इसका स्वागत हम इस सोच और संकल्प के साथ करें कि हमें अपने मतदान से आगामी आम चुनाव में भ्रष्टाचार, राजनीतिक अपराधीकरण एवं राजनीतिक विसंगतियों पर नियंत्रण करना है।

अधिकतम मतदान के संकल्प से हमें मतदान का औसत प्रतिशत 55 से 90-95 प्रतिशत तक ले जाना चाहिए, ताकि इस लक्ष्य को हासिल करके हम भारतीय राजनीति की तस्वीर को नया रूख दे सके। मतदान करना हर नागरिक का मौलिक अधिकार है और कर्तव्य भी है, लेकिन विडम्बना है हमारे देश की कि आजादी के 77 वर्षों बाद भी नागरिक लोकतंत्र की मजबूती के लिये निष्क्रिय है। ऐसा लगता है जमीन आजाद हुई है, जमीर तो आज भी कहीं, किसी के पास गिरवी रखा हुआ है। अधिकतम मतदान की दृष्टि से श्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात में मुख्यमंत्री रहते हुए एक अलख जगाई थी। अनिवार्य वोट के लिये कानून लागू करना ही होगा और इस पहल के लिये सभी दलों को बाध्य होना ही होगा, क्योंकि भारतीय लोकतंत्र में यह नई जान फूंक सकती है। अब तक दुनिया के 32 देशों में अनिवार्य मतदान की व्यवस्था है लेकिन यही व्यवस्था अगर भारत में लागू हो गई तो उसकी बात ही कुछ और होगी और वह दुनिया के लिये अनुकरणीय साबित होगी। यदि ऐसा हुआ तो अमेरिका और ब्रिटेन जैसे पुराने और सशक्त लोकतंत्रों को भी भारत का अनुसरण करना पड़ सकता है, हालांकि भारत और उनकी परिस्थितियां एक-दूसरे के बिल्कुल विपरीत है। भारत में अमीर लोग वोट नहीं डालते और इन देशों में गरीब लोग वोट नहीं डालते।

भारत इस तथ्य पर गर्व कर सकता है कि जितने मतदाता भारत में हैं, दुनिया के किसी भी देश में नहीं हैं और लगभग हर साल भारत में कोई न कोई ऐसा चुनाव अवश्य होता है, जिसमें करोड़ों लोग वोट डालते हैं लेकिन अगर हम थोड़ा गहरे उतरें तो हमें बड़ी निराशा भी हो सकती है, क्या हमें यह तथ्य पता है कि पिछले 77 साल में हमारे यहां एक भी सरकार ऐसी नहीं बनी, जिसे कभी 50 प्रतिशत वोट मिले हों। कुल वोटों के 50 प्रतिशत नहीं, जितने वोट पड़े, उनका भी 50 प्रतिशत नहीं। गणित की दृष्टि से देखें तो 140 करोड़ की जनसंख्या वाले देश में सिर्फ 20-25 करोड़ लोगों के समर्थनवाली सरकार क्या वास्तव में लोकतांत्रिक सरकार है? क्या वह वैध सरकार है? क्या वह बहुमत का प्रतिनिधित्व करती है? आज तक हम ऐसी सरकारों के आधीन ही रहे हैं, इसी के कारण लोकतंत्र में विषमताएं एवं विसंगतियों का बाहुल्य रहा है, लोकतंत्र के नाम पर यह छलावा हमारे साथ होता रहा है। इसके जिम्मेदार जितने राजनीति दल है उतने ही हम भी है। यह एक त्रासदी ही है कि हम वोट महोत्सव को कमतर आंकते रहे हैं। जबकि आज यह बताने और जताने की जरूरत है कि इस भारत के मालिक आप और हम सभी हैं और हम जागे हुए हैं। हम सो नहीं रहे हैं। हम धोखा नहीं खा रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने मतदान प्रतिशत बढ़ाने की अपील करते हुए यह सही कहा कि अधिक से अधिक मतदान का मतलब एक मजबूत लोकतंत्र है और मजबूत लोकतंत्र से ही विकसित भारत बनेगा, लेकिन अब ऐसी व्यवस्था एवं तकनीक विकसित करने का भी समय आ गया है जिससे अपने गांव-शहर से दूर रहने वाले वहां जाए बगैर मतदान कर सकें। ध्यान रहे कि ऐसे लोगों की संख्या करोड़ों में है। रोजी-रोटी के लिए अपने गांव-शहर से दूर जाकर जीवनयापन करने वाले सब लोगों के लिए यह संभव नहीं कि वे मतदान करने अपने घर-गांव लौट सकें। यदि सेना और अर्धसैनिक बलों के जवानों के साथ-साथ चुनाव ड्यूटी में शामिल लोगों के लिए वोट देने की व्यवस्था हो सकती है तो अन्य लोगों के लिए क्यों नहीं हो सकती? इस बार ऐसी किसी व्यवस्था के निर्माण के लिए निर्वाचन आयोग के साथ सरकार का भी सक्रिय होना समय की मांग है। इसी से हम अधिकतम मतदान के लक्ष्य को हासिल कर सकेंगे।

अधिकतम वोटिंग का वास्तविक उद्देश्य है, जन-जन में लोकतंत्र के प्रति आस्था पैदा करना, हर व्यक्ति की जिम्मेदारी निश्चित करना, वोट देने के लिए प्रेरित करना। एक जनक्रांति के रूप ह्यभारतीय मतदाता संगठनह्न इस मुहिम के लिये सक्रिय हुआ है, यह शुभ संकेत है। इस तरह के जन-आन्दोलन के साथ-साथ भारतीय संविधान में अनिवार्य मतदान के लिये कानूनी प्रावधान बनाये जाने की तीव्र अपेक्षा है। बेल्जियम, आस्ट्रेलिया, ग्रीस, बोलिनिया और इटली जैसे देशों की भांति हमारे कानून में भी मतदान न करने वालों के लिये मामूली जुमार्ना निश्चित होना चाहिए। यदि भारत में मतदान अनिवार्य हो जाए तो चुनावी भ्रष्टाचार बहुत घट जाएगा। यह भी देखा गया है कि चुनावों में येन-केन-प्रकारेण जीतने के लिये ये ही राजनीतिक दल और उम्मीदवार मतदान को बाधित भी करते हैं और उससे भी मतदान का प्रतिशत घटता है। अधिकतम मतदान से इस तरह के भ्रष्टाचार से मुक्ति मिलेगी, लोगों में जागरूकता बढ़ेगी, वोट-बैंक की राजनीति थोड़ी पतली पड़ेगी। जिस दिन भारत के 90 प्रतिशत से अधिक नागरिक वोट डालने लगेंगे, राजनीतिक जागरूकता इतनी बढ़ जाएगी कि राजनीति को सेवा की बजाय सुखों की सेज मानने वाले किसी तरह का दुस्साहस नहीं कर पायेंगे। राजनीति को सेवा या मिशन के रूप में लेने वाले ही जन-स्वीकार्य होंगे।

(ललित गर्ग)
लेखक, पत्रकार, स्तंभकार
ई-253, सरस्वती कुंज अपार्टमेंट
25 आई. पी. एक्सटेंशन, पटपड़गंज, दिल्ली-92
फोन: 22727486, 9811051133

मरी हुई आत्माओं' की 'अंतर आवाज'

@ राकेश अचल
achalrakesh1959@gmail.com

आत्मा अजर-अमर है। आत्मा निकाया है, लेकिन उसकी आवाज होती है। ये आवाज जीवित आत्माओं की मुखर होती है। इसे या तो ओझा सुन पाते हैं या नेता। आवाज सुनकर जो फैसले होते हैं, उन्हें 'क्रास बीड' फैसला कहते हैं। इन फैसलों से जो भी होता है उसे वर्णसंकर कहा जाता रहा है।

राजनीति में सबसे पहले अंतरात्मा की आवाज कांग्रेस ने सुनी थी। वैसे कांग्रेस को पता था कि राजनीति में अधिकांश लोग अपनी आत्मा को मारकर आते हैं। जो जीवित आत्मा के साथ राजनीति के आंगन में कदम रखते हैं, उनकी आत्मा को सप्रयास मार दिया जाता है। राजनीति में आत्मा की आवाज प्रगति में सबसे बड़ी बाधा है। अंततोगत्वा नेता को अपनी अंतरात्मा मारना पड़ती है। जो ऐसा नहीं कर पाते वे आत्मा और शरीर दोनों से हाथ धो बैठते हैं।

आजादी से पहले नेता आत्मा के साथ राजनीति में आता था, इसीलिए उससे अंग्रेज हार गए। आत्मा से काम करने वालों को आज 75 साल बाद बेईमान, वंशवादी और राष्ट्रद्रोही कहा जाता है। राजनीति में आत्माएं तो पहले आम थी, उस जमाने में महात्मा भी होती थीं। गुजरात को मोहनदास करमचंद गांधी के पास महात्मा थी, हालांकि संघी ऐसा नहीं मानते। वे गोड़से को महात्मा कहते हैं। यानि महात्मा को भी भारतरत्न की तरह विवादास्पद बनाने की कोशिश जारी है। बात अंतरात्मा की आवाज की हो रही है। सबसे पहले तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने अंतरात्मा की आवाज को पहचाना।आवाज दी। उसे जगाया। कमाल देखिए कि उस समय के नेताओं की अंतरात्मा जागी। नेताओं ने अपनी अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनी और इंदिरा गांधी की पसंद के प्रत्याशी को राष्ट्रपति चुन लिया था। अंतरात्मा की चौतरफा जय जय हुई। राजनीति में अंतरात्मा के साथ ही मृतात्मा जैसा ही व्यवहार किया जाता है। उन्हें भारतरत्न से अलंकृत किया जाता है। खास चुनाव के समय आत्माओं को सम्मानित करने का बड़ा फल मिलता है। अंतरात्मा पार्टी का व्हिप, सिप नहीं मानती। जो उसका आव्हान करता है, उसे आशीर्वाद दे देती है। दरअसल अंतरात्मा राजनीति से ऊपर उठकर फैसला करती है। लेकिन फैसला करने से पहले चढ़ौती देखती है।

अंतरात्मा को जागृत करना, मुर्दई को उसकी आवाज सुनवाना बड़ा तकनीकी काम है। पहले इस विधा में कांग्रेसी दक्ष थे। अब ये दक्षता भाजपाई सीख गये हैं। वे हिमाचल हो या बिहार, किसी भी राज्य में किसी भी दल के विधायक, सांसद की मरी हुई आत्मा को जगाने की सुपारी ले लेते हैं। जिन नेताओं की आत्मा जीवित होती है, उन्हें चिन्हित कर उनकी आत्मा को मार देते है। मरी हुई आत्मा की आवाज सुनना किसी जीवित नेता की आत्मा की आवाज से ज्यादा मुखर होती है। निडर होती है। साफ सुनाई देती है।

अंतरात्मा को बुलवाने से पहले उसे जागृत करना पड़ता है। आत्मा काले तिल, काले वस्त्र, काले धन और पतंजलि के शुद्ध घानी के सरसों के तेल से खुश होती है। आप जितना काला धन अर्पण करेंगे, सोयी हुई अंतरात्मा उतनी जल्दी जागेगी, बोलेगी। इतना तेज बोलेगी कि बहरा भी सुन ले। कान वाले तो सुन ही सकते हैं। इसमें किसी पंडित, पुजारी की जरूरत नहीं होती। छठे कान तक इसकी आवाज जाती ही नहीं है।

आत्माएं न मरें तो जनादेश का अपहरण असंभव है। भारत में जहां जहां बिना चुनाव के जनादेश बदला गया वहां पहले आत्माओं को मारा जाता है। आत्मा का कत्ल ही तो क्रास वोटिंग कहलाती है। क्रास वोटिंग दल बदल की सहोदर है। ये अजर अमर है। लेकिन ये मृत आत्माएं हैं। इनके खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा सकती।

दुनिया के लोकतांत्रिक देशों में हमारे देश की मरी हुई आत्माओं को लेकर कोई सानी नहीं है। हमें राजनीति में उलट फेर कराने वाली इन मरी हुई आत्माओं पर गर्व है। मरी हुई आत्माएं हमेशा लोकतंत्र के काम आती हैं। हमारा लोकतंत्र मरी हुई आत्माओं का लोकतंत्र है। हमारी लोक सभा, विधानसभाएं मरी हुई अंतरात्माओं से भरी पड़ी हैं। एक खोजिए, दस मिल सकती हैं। मेरी जीवित आत्मा मुझे हरदम धिक्कारने की कोशिश करती है। शुभचिंतक कहते हैं कि पंडित जी कुछ दिनों के लिए अपनी आत्मा को मरने के लिए तैयार कर लीजिए मालामाल हो जाएंगे।घर वालों की तमाम शिकायतें दूर हो जाएगी। कोई आपको कंगाल, अलाल होने का ताना नहीं मारेगा।

निताशा कौल को लौटाना लोकतंत्र विरोधी आचरण

यूनाइटेड किंगडम की भारतीय मूल की प्रोफेसर निताशा कौल को जबरिया उनके देश लौटाकर एक बार फिर से भारत सरकार ने साफ कर दिया है कि यहां लोकतंत्र और संवैधानिक मूल्यों की बात करने वालों को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। निताशा कर्नाटक सरकार की ओर से आयोजित एक सम्मेलन में भाग लेने के लिये सम्मानित वक्ता के रूप में आमंत्रित की गई थीं परन्तु उन्हें बेंगलुरु हवाईअड्डे से वापस लंदन भेज दिया गया। वहां के वेस्टमिंस्टर विश्वविद्यालय में अध्यापन करने वाली निताशा 24-25 को कर्नाटक सरकार द्वारा 'संविधान व राष्ट्रीय एकता' सम्मेलन में भाग लेने के लिये आई थीं। वे कश्मीर के मामलों में अपने बेबाक विचारों के लिये जानी जाती हैं। वे नरेंद्र मोदी सरकार की कश्मीर मामले में नीतियों की विरोधी के रूप में प्रसिद्ध हैं। उन्होंने जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाये जाने का तो विरोध किया ही था, 'द कश्मीर फाइल्स' फिल्म पर भी सरकार की आलोचना की थी।

वैसे तो उन्हें वापस भेजने का कोई स्पष्ट कारण भारत सरकार की ओर से नहीं बतलाया गया है लेकिन स्पष्ट है कि उन्हें प्रधानमंत्री मोदी, भारतीय जनता पार्टी एवं राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ विरोधी होने का खामियाजा भुगतना पड़ा है। फिर, यह कार्यक्रम कर्नाटक की कांग्रेस सरकार की ओर से आयोजित किया गया था, सो मोदी सरकार द्वारा ऐसा करना लाजिमी ही था। अपने एक्स हैंडल पर निताशा ने इस बाबत लिखी पोस्ट में बतलाया है कि उन्हें कर्नाटक सरकार ने आमंत्रित किया था। उनके यात्रा सम्बन्धी सभी दस्तावेज सही थे तो भी उन्हें आव्रजन अधिकारियों की ओर से बेंगलुरु एयरपोर्ट पर हिरासत में रखा गया। उन्हें रोके जाने का किसी ने कोई कारण नहीं बताया। अधिकारी केवल यही कहते रहे कि 'वे कुछ नहीं कर सकते क्योंकि उन्हें दिल्ली से ऐसा करने के आदेश मिले हैं।' निताशा का यह भी आरोप है कि उन्हें सोने के लिये तकिया तक नहीं दिया गया और उन्हें अखबारों को ही तकिया बनाकर सोना पड़ा था। खाने-पीने तक नहीं दिया गया।

वर्तमान में जीना

कितना कर्म किया छोड़ विचारना,
छोड़ प्रशंसा के कसीदे उच्चारणा,
सोच उनके बारे जो काम पड़े अधूरे,
समय की ताल के साथ करने हैं पूरे,
कल -कल के जप से क्या पाया,
खुद भी रोया औरों को रुलाया,
फटे गए कपड़े तो समय पर सीना,
सीख सदा वर्तमान में जीना।

जो ऊर्जा को करते व्यर्थ,
इकट्ठे कामों को करने में असमर्थ,
पछताने के सिवा कुछ नहीं आता,
चारों ओर परेशानियों से घिरा पाता,
नहीं काम आते किसी मोड़ पर अपने,
धराशाई होते हैं संजोए हुए सपने,
काम आता बहाया हुआ पसीना,
सीख सदा वर्तमान में जीना।

समय किसी का नहीं करता इंतजार,
गुजरने दे पास से तो बढ़ जाता भार,
समय के साथ कदम से कदम मिला,
फिर नहीं करेगा कोई खुद से गिला,
गुजरते पलों के साथ रहना सतर्क,
छोड़ आंख मीचना कर बात पर तर्क,
समय गया बीत तो सब्र के घूंट पीना,
सीख सदा वर्तमान में जीना।

बढ़ने वालों के आगे हर कोई झुकता,
कर्म जिसका कर्तव्य नहीं वह झुकता,
नहीं जिंदगी से होता फिर बेखबर,
चलता जाता चाहे उबड़- खाबड़ डगर,
सदा के लिए कोई नहीं संगी साथी,
कुछ पल का हर कोई यहां बाराती,
सर्दी गर्मी वर्षा सावन पतझड़ का महीना,
सीख सदा वर्तमान में जीना।

- डॉ. विनोद कुमार शर्मा, चंडीगढ़।

देश में आईटी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी सत्यम (अब महिंद्रा सत्यम) में हुए बड़े वित्तीय घोटाले का मामला हो या फिर आए दिन सामने आने वाले आर्थिक साइबर अपराधों, मनी लॉन्डरिंग, बीमा, बैंकिंग और निवेश से संबंधित घोटालों आदि के खुलासे की बात, इनकी प्रभावी जांच के लिए फॉरेंसिक अकाउंटिंग की जरूरत होती है। बढ़ते आर्थिक अपराधों के इस दौर में फॉरेंसिक अकाउंटिंग के पेशेवरों का महत्व और उनकी मांग काफी बढ़ गई है। इस कारण इसे भविष्य के लिहाज से रोजगार का एक बेहतरीन विकल्प माना जा सकता है।

फॉरेंसिक अकाउंटिंग

आर्थिक अपराधों की जड़ें तलाशने का पेशा

क्या है फॉरेंसिक अकाउंटिंग

यह अकाउंटिंग की ही एक शाखा है, जिसमें कानून व्यवस्था से जुड़े मामलों को सुलझाने के लिए अकाउंटिंग के सिद्धांतों के साथ ऑडिटिंग और जांच-पड़ताल के हुनर का इस्तेमाल किया जाता है। यह काम करने वाले पेशेवरों को फॉरेंसिक अकाउंटेंट कहा जाता है। वह अनुभवी ऑडिटर होते हैं और वित्तीय घपलों का पता लगाने के लिए किसी व्यावसायिक संस्थान (कंपनी, फर्म) के खातों (अकाउंट्स) पर निगरानी रखने का कार्य करते हैं। फॉरेंसिक अकाउंटिंग के लिए सबसे जरूरी होती है अकाउंटिंग की अच्छी जानकारी। इसके बाद ऑडिटिंग, रिस्क असेसमेंट और फ्रॉड डिटेक्शन (घपलों को पहचानना) आदि की व्यावहारिक समझ को इस पेशे में आवश्यक माना जाता है।

इस पेशे से जुड़े लोगों को अपने अकाउंटिंग, ऑडिटिंग और खोजबीन के हुनर से आर्थिक घोटालों से संबंधित साक्ष्यों का विश्लेषण करके उनका अर्थ निकालना होता है। किसी मामले की अदालती कार्यवाही में वह बतौर विशेषज्ञ गवाह के रूप में भी योगदान दे सकते हैं। किसी कानूनी विवाद में लिप्त लोगों या फर्मों के मामले में फॉरेंसिक अकाउंटेंट की मुख्य भूमिका संबंधित वित्तीय रिकार्डों (दस्तावेज) की जांच और उनका विश्लेषण करना होता है। इस कार्य के दौरान वह उन सबूतों को भी जुटाते हैं, जो जांच एजेंसियों को कानूनी प्रक्रिया में मदद देते हैं। अपने पेशेवर जीवन में फॉरेंसिक अकाउंटेंट को अकाउंटेंट, डिटेक्टिव और लीगल एक्सपर्ट जैसी कई भूमिकाएं निभानी होती हैं। वह संदिग्ध लगने वाले वित्तीय दस्तावेजों की तलाश में रहते हैं, ताकि वह उन अपराधों का पर्दाफाश कर सकें, जिसमें कोई एक व्यक्ति या छोटे-बड़े व्यापारिक समूह संलिप्त हैं।

प्रमुख कार्य

- वित्तीय साक्ष्यों की जांच और उनका विश्लेषण करना। - साक्ष्यों (वित्तीय) की प्रस्तुति और उनके विश्लेषण में मदद के लिए कंप्यूटर आधारित एप्लिकेशन तैयार करना।
- जांच में मिलने वाले तथ्यों को रिपोर्ट और दस्तावेजों के संग्रह के रूप में प्रस्तुत करना।
- अदालत की कार्यवाही में मदद करना यानी न्यायालय में विशेषज्ञ के रूप में गवाही देना और सबूतों को मजबूत करने के लिए दृश्यात्मक सामग्री उपलब्ध कराना।

जरूरी हैं फॉरेंसिक अकाउंटेंट

आमतौर पर सभी बड़ी अकाउंटिंग फर्मों में फॉरेंसिक अकाउंटेंट की जरूरत होती है। इन फर्मों में उनका कार्य कंपनियों के बीच होने वाले गठजोड़ों और अधिग्रहण समझौतों की जांच करना, विशेष ऑडिट करना, आर्थिक अपराधों तथा टैक्स की गड़बड़ी से संबंधित मामलों की जांच करना होता है। तलाक, व्यापार और दुर्घटनाओं से संबंधित क्लेम के मामलों की जांच में भी फॉरेंसिक अकाउंटेंट की जरूरत होती है। वह अपनी इच्छा के अनुसार नौकरी के लिए सरकारी या निजी क्षेत्र की कंपनियों का रुख कर सकते हैं।

प्रमुख रोजगारदाता क्षेत्र

- पब्लिक अकाउंटिंग फर्म - प्राइवेट कॉर्पोरेशंस
- बैंक
- पुलिस एजेंसियां
- सरकारी एजेंसियां - इंश्योरेंस कंपनियां
- लॉ फर्म

जरूरी गुण

- गहन विश्लेषणात्मक कौशल
- जांच-पड़ताल का हुनर
- तथ्यों को बारीकी से जानने की इच्छा
- किसी दबाव में न आते हुए काम को पूरा करने की दृढ़ता
- अपने काम के प्रति पूर्ण निष्ठा
- जिज्ञासा
- रचनात्मक सोच

उपलब्ध पाठ्यक्रम - पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन फॉरेंसिक अकाउंटिंग

- सर्टिफिकेट कोर्स इन फॉरेंसिक अकाउंटिंग प्रोफेशनल
- सर्टिफाइड एंटी-मनी लॉन्डरिंग एक्सपर्ट
- सर्टिफाइड बैंक फॉरेंसिक अकाउंटिंग
- सर्टिफाइड विजिलेंस एंड इंवेस्टिगेशन एक्सपर्ट

योग्यता - किसी मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटी से बैचलर डिग्री प्राप्त हो

- दो से चार साल का पेशेवर अनुभव हो
- इंडिया फॉरेंसिक द्वारा आयोजित सीएफएपी परीक्षा न्यूनतम 75 फीसदी अंकों के साथ पास हो (सीपीए एक प्रोफेशनल डिग्री है, जो भारत में सीए की तरह है, इसे अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ सर्टिफाइड पब्लिक अकाउंटेंट्स जारी करता है।)

संबंधित संस्थान - द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया, नई दिल्ली

- द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड फाइनेंशियल एनालिस्ट्स ऑफ इंडिया यूनिवर्सिटी, त्रिपुरा
- इंडिया फॉरेंसिक, पुणे

एडवेंचर स्पोर्ट्स

रोमांच से भरपूर रोजगार की गारंटी देता एक करियर

क्या आप एडवेंचर स्पोर्ट्स की चाहत में कुछ भी छोड़ सकते हैं? क्या आप प्रकृति के करीब रहना पसंद करते हैं? अगर इन सवालों का जवाब आपकी ओर से 'हां' है, तो आप एडवेंचर स्पोर्ट्स की दुनिया में अपने लिए बेहतर करियर तलाश सकते हैं। घरेलू पर्यटन में वृद्धि होने की वजह से एडवेंचर स्पोर्ट्स के पेशेवरों की मांग में भी कई गुना का इजाफा हुआ है। इसके अलावा नेशनल जियोग्राफिक, डिस्कवरी, एएक्सएन और एनिमल प्लेनेट जैसे चैनल सामान्य यात्राओं की बजाए रोमांच से भरपूर यात्राओं पर जाने वाले पर्यटकों को विशेष लाभ भी मुहैया कराते हैं।

क्या है एडवेंचर स्पोर्ट्स

इसे एक्शन स्पोर्ट्स, ऐग्रो स्पोर्ट्स और एक्सट्रीम स्पोर्ट के नाम से भी जाना जाता है। इसके दायरे में वह गतिविधियां (खेल संबंधी) शामिल होती हैं, जिनमें बड़े खतरे अंतर्निहित होते हैं। इन गतिविधियों में गति, उच्च स्तर के शारीरिक दमखम और विशेष कौशल की दरकार होती है।

कई तरह के एडवेंचर स्पोर्ट्स

इन खेलों को मोटे तौर पर तीन श्रेणियों में बांटा जा सकता है- एअर स्पोर्ट्स, लैंड स्पोर्ट्स और वॉटर स्पोर्ट्स। खेलों की इन श्रेणियों में ढेर सारे खेल शामिल हैं, इनमें से कुछ प्रमुख हैं-

एअर स्पोर्ट्स : बंजी जंपिंग, पैराग्लाइडिंग, स्काई डाइविंग और स्काई सर्फिंग आदि।

लैंड स्पोर्ट्स : रॉक क्लाइम्बिंग, स्केट बोर्डिंग, माउंटेन बाइकिंग, स्कीइंग, स्नो बोर्डिंग और ट्रैकिंग आदि।

वाटर स्पोर्ट्स : स्कूबा डाइविंग, व्हाइट वाटर राफ्टिंग, कायकिंग, केनोइंग, कलिफ डाइविंग,स्नॉर्केलिंग और याट रेसिंग आदि।

एडवेंचर स्पोर्ट्स पेशेवरों का काम

ये पेशेवर भौगोलिक दृष्टि से उन क्षेत्रों की तलाश करते हैं, जहां एडवेंचर स्पोर्ट्स की संभावना हो। इसके साथ ही वह उस क्षेत्र में खेल से जुड़े जोखिमों का आकलन भी करते हैं। इन कार्यों को करने के बाद वह खेल गतिविधियों को संचालित करने का प्रारूप तैयार करते हैं और संभावित खतरों से निपटने के लिए आपदा प्रबंधन की कार्ययोजना भी बनाते हैं। वह किसी एडवेंचर स्पोर्ट्स में शामिल गतिविधियों के लिए आवागमन का मार्ग तय करते हैं और अन्य जरूरी तैयारियों में मदद करते हैं। इसी तरह इन खेलों के लिए आयोजित होने वाले शिविरों में हिस्सा लेने वाले प्रतिभागियों को वह खेल की सही तकनीकों और जरूरी कौशल की जानकारी देते हैं। एडवेंचर स्पोर्ट्स की हर गतिविधि से सीधे जुड़े होते हुए भी उन्हें प्रशिक्षण और कैंपिंग शिविरों से संबंधित प्रशासकीय कार्य भी करने पड़ते हैं। यह पेशा देखने में भले ही बेहद रोमांचक हो, लेकिन असल जिंदगी में यह काफी चुनौतीपूर्ण है। इसके पेशेवरों को हमेशा जोखिम उठाते हुए जिंदगी की महीन डोर के सहारे चलना पड़ता है। उन्हें कई बार घबराए हुए और कई बार उत्साही क्लाइंटों को संभालने की जिम्मेदारी भी उठानी पड़ती है।

रोजगार के मौके एडवेंचर स्पोर्ट्स के क्षेत्र में सबसे ज्यादा रोजगार एडवेंचर स्पोर्ट्स कंपनियां देती हैं। हालांकि इस क्षेत्र में कार्यरत लोगों के पास काम में बदलाव करके भी रोजगार और अपनी पेशेवर रुचि को बरकरार रखने का विकल्प होता है। वह स्कूलों के साथ मिलकर छात्रों के लिए आउटडोर एजुकेशन प्रोग्राम संचालित कर सकते हैं, तो पर्सनल ट्रेनर और कैजुअल टूर गाइड के रूप में भी कार्य कर सकते हैं। इसके अलावा वह अपनी निजी एडवेंचर स्पोर्ट्स कंपनी भी शुरू कर सकते हैं। कुछ लोग तो इस क्षेत्र में काम करने के लिए दुनिया की सैर करने का विकल्प भी चुनते हैं।

प्रमुख रोजगार प्रदाता

-एक्सकर्शन एजेंसियां 'हॉलिडे रिजॉर्ट्स
-लीजर कैम्प्स 'कमर्शियल रीक्रिएशन सेंटर्स
-एडवेंचर स्पोर्ट्स सेंटर्स 'ट्रैवल एंड टूरिज्म एजेंसियां 'एजुकेशनल इंस्टीटयूट
-कोचिंग इंस्टीटयूट

इन भूमिकाओं में मिलेगा काम -एडवेंचर स्पोर्ट्स इंस्ट्रक्टर 'एडवेंचर स्पोर्ट्स एथलीट 'आउटबाउंड ट्रेनिंग फेसिलिटेटर एंड ट्रेनर 'एडवेंचर स्पोर्ट्स फोटोग्राफर 'एडवेंचर टूरिज्म फैसिलिटेटर 'एडवेंचर कैंप काउंसलर 'एक्स्ट्रीम स्पोर्ट्स स्पेशलिस्ट 'वाटर एंड एरो स्पोर्ट्स स्पेशलिस्ट 'ट्रैकिंग एंड माउंटेन गाइड 'एडवेंचर टूर गाइड 'कैंप नर्स 'सफारी गाइड 'वाइल्डलाइफ एंड ट्रैवल फोटोग्राफर : समर कैंप काउंसलर

जरूरी गुण

-रोमांच से लगाव हो
-शारीरिक मजबूती और मानसिक दृढम्ता हो
-जोखिम उठाने की क्षमता हो
-टीम संग मिलकर काम करने की कुशलता हो
-काम के प्रति निष्ठा और जिम्मेदार रवैया हो
-फर्स्ट एड की मूलभूत जानकारी के अलावा कम्पास और नक्शों को पढम्ने का ज्ञान हो
-अलग-अलग संस्कृतियों से जुड़े लोगों से समन्वय करने में दक्षता हो
-साहस और निडरता हो
-अपने खेल के तकनीकी पक्षों की गहरी जानकारी हो

योग्यता

-एडवेंचर स्पोर्ट्स के क्षेत्र में बतौर पेशेवर काम करने के लिए किसी विषय के साथ बारहवीं या बैचलर डिग्री प्राप्त होना पर्याप्त है। इस योग्यता के आधार पर एडवेंचर स्पोर्ट्स में डिप्लोमा या डिग्री पाठ्यक्रम संचालित करने वाले संस्थानों में प्रवेश लिया जा सकता है। इन संस्थानों में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद आसानी से रोजगार प्राप्त किया जा सकता है।
-इसके अलावा शारीरिक रूप से मजबूत और स्वस्थ होना भी आवश्यक होता है।
-इस पेशे में जल आधारित खेलों के लिए तैराकी में निपुण होना जरूरी होता है।
-अंग्रेजी और किसी एक विदेशी भाषा में दक्ष होना भी इस पेशे में मददगार होता है।

संबंधित संस्थान हिमालयन माउंटेनियरिंग इंस्टीटयूट, दार्जिलिंग
नेहरू इंस्टीटयूट ऑफ माउंटेनियरिंग, उत्तरकाशी
जवाहर इंस्टीटयूट ऑफ माउंटेनियरिंग, जम्मू और कश्मीर
विंटर स्पोर्ट्स स्कीइंग सेंटर, कुल्लू
रीजनल माउंटेनियरिंग सेंटर, मैक्लोडगंज
हिमालयन एडवेंचर इंस्टीटयूट, मसूरी

ऑफिस में पहला दिन

दफ्तर का पहला दिन कौतुहल भरा होता है। मन में कई सवाल उठते हैं। नौकरी मिलने की खुशी के साथ थोड़ी घबराहट भी होती है। हो भी क्यों न, पहला इम्प्रेशन जो डालना होता है। नई जगह और नये माहौल के बीच खुद को साबित करने की चुनौती पहले दिन को और भी मुश्किल बना देती है। यहां हम कुछ ऐसे टिप्स बता रहे हैं, जो आपकी पहली नौकरी के पहले दिन को खास और यादगार बना देंगे। सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ समय पर या समय से पहले दफ्तर में कदम रखें।

सहकर्मियों से मिलें और मुस्कराते हुए उनका अभिवादन करें, हाथ मिलाएं।

दिमाग खुला रखें और नया सीखने के लिए हमेशा इच्छा जाहिर करें।

सवाल पूछें, ताकि बाद में गलतियां करने से बच सकें।

फोन साइलेंट रखें।

किसी किताब या देश की गतिविधियों जैसे मुद्दों के साथ बातचीत की शुरुआत कर सकते हैं।

घर का बना खाना लाएं, साथ में पानी की बोतल भी रखें।

अपने साथ यूएसबी स्टिक और कुछ पैसे रखना न भूलें।

अपने साथ पेन और नोटबुक जरूर रखें।

वैध आईडी और लाइसेंस भी अपने साथ रखें।

साफ-सुथरे और सलीकेदार कपड़े पहनें।

बाल बिखरे हुए न हों।

पहले दिन खुद लंच के लिए न कहें, इंतजार करें और देखें कि दूसरे कब लंच करते हैं।

जब खुद चाय-कॉफी पीयें, दूसरों से भी जरूर पूछें।

यदि कोई सहकर्मी या बॉस आपको लंच पर बुलाए तो उसे स्वीकार करें और उनके साथ साफ-सुथरे तरीके से खाना खाएं।

मीटिंग की जरूरी बातों को जरूर नोट करें।

अनंत अंबानी-राधिका मर्चेंट के प्री-वेडिंग कार्यक्रमों में शामिल होने जामनगर पहुंचे बॉलीवुड के दिग्गज

मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट गुजरात के जामनगर में अपने प्री-वेडिंग कार्यक्रमों की तैयारियां पूरी हो गई हैं। जामनगर में 1 मार्च से 3 मार्च तक विभिन्न कार्यक्रम होंगे। इस कार्यक्रम के लिए दुनियाभर के कलाकारों को आमंत्रित किया गया है और बॉलीवुड से कई कलाकार जामनगर पहुंच रहे हैं। मुकेश अंबानी के छोटे बेटे अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट के प्री-वेडिंग कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए एक के बाद एक कई कलाकार जामनगर एयरपोर्ट पर नजर आ रहे हैं। अंबानी परिवार ने मेहमानों को एयरपोर्ट से लेने के लिए खास इंतजाम किए हैं। मेहमानों को होटल तक ले जाने के लिए बीएमडब्ल्यू, रेंज रोवर, रोल्स रॉयस जैसी कई कारें भेजी जा रही हैं। मेहमानों के वीडियो इस वक्त सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। रणबीर कपूर, आलिया भट्ट, राहा, नीतू कपूर जामनगर पहुंच चुकी हैं। शाहरुख खान और उनका परिवार के अलावा भाईजान सलमान खान, अमिताभ बच्चन, अर्जुन कपूर, मानुषी छिल्लर, जान्हवी कपूर जैसे कई कलाकार जामनगर पहुंच चुके हैं। प्री-वेडिंग इवेंट के लिए डिजाइनर मनीष मल्होत्रा भी पहुंचे हैं। ऐसा लगता है कि अंबानी परिवार ने इस मौके के लिए मनीष मल्होत्रा के डिजाइन किए गए कपड़ों को चुना है। अनंत अंबानी और राधिका मर्चेंट का प्री-वेडिंग समारोह भव्य होने वाला है। विश्व प्रसिद्ध गायिका रिहाना और उनकी टीम भी जामनगर आई है। तीन दिवसीय प्री-वेडिंग कार्यक्रम में रिहाना के साथ-साथ अरिजीत सिंह, दिलजीत दोसांझ, बी प्राक, प्रीतम, हरिहरन और अजय-अतुल भी प्रस्तुति देंगे।

हॉलीवुड में बनेगी सुपरहिट फिल्म 'दृश्यम' का रिमेक

साउथ सुपरस्टार मोहनलाल और जीतू जोसेफ वर्ष 2013 में बेहतरीन क्राइम थ्रिलर फिल्म 'दृश्यम' बनाई थी। इस फिल्म को अच्छा रिस्पॉन्स मिला और इसमें अभिनेता अजय देवगन मुख्य भूमिका में थे। इस फिल्म के दोनों पार्ट काफी हिट हुए थे। इन फिल्मों ने बॉक्स ऑफिस पर खूब धमाल मचाया। कुछ दिनों पहले इसके तीसरे पार्ट बनाने की भी घोषणा की गई थी। फिल्म 'दृश्यम' को हिंदी, तमिल, मलयालम, कन्नड़ भाषाओं में बनाया गया है। साथ ही इसी बीच खबर आई थी कि अजय देवगन की इस फिल्म का कोरियन भाषा में भी रीमेक बनाया जाएगा। ऐसे में 'दृश्यम' के हॉलीवुड रीमेक को लेकर नई जानकारी सामने आई है। हॉलीवुड में फिल्म का रीमेक बनाने के लिए पैनोरमा स्टूडियोज ने गल्फस्ट्रीम पिक्चर्स और जोट फिल्म्स के साथ समझौता किया है। बॉलीवुड फिल्म का हॉलीवुड में रीमेक बनने की खबर से फैंस हैं। इस फिल्म की लोकप्रियता सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि चीन में भी थी और फिल्म को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला था। इतना ही नहीं, उम्मीद है कि हॉलीवुड रीमेक के साथ-साथ इस फिल्म को स्पेनिश भाषा में भी डब किया जाएगा। पैनोरमा स्टूडियो के चेयरमैन और डायरेक्टर कुमार मंगत पाठक ने इसकी जानकारी दी है। 'दृश्यम' सीक्वल की पहली फिल्म वर्ष 2013 में आयी था, जिसे जीतू जोसेफ ने लिखा और निर्देशित किया था। बाद में फिल्म को चार अलग-अलग भाषाओं में बनाया गया। हिंदी रीमेक में अजय देवगन, तब्बू, श्रिया सरन, अक्षय खन्ना ने काम किया है। मूल मलयालम भाषा के अलावा अन्य भाषाओं में भी रीमेक को दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला। अब दर्शकों इस फिल्म के तीसरे सीक्वल और हॉलीवुड रीमेक का बेसब्री से इंतजार कर है।

आमिर खान के बेटे जुनैद की डेब्यू फिल्म 'महाराज' का फर्स्ट लुक टीजर रिलीज

बॉलीवुड में एक और स्टार किड सिल्वर स्क्रीन पर नजर आने वाला है। 'मिस्टर परफेक्शनिस्ट' के नाम से मशहूर आमिर खान के बेटे जुनैद खान फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू करने जा रहे हैं। जुनैद की डेब्यू फिल्म 'महाराजा' का फर्स्ट लुक टीजर लॉन्च हो गया है। बताया जा रहा है कि फिल्म में जुनैद एक पत्रकार की भूमिका निभा रहे हैं। फिलहाल जुनैद के लुक और रोल को गुप्त रखा गया है। आमिर खान के बेटे जुनैद खान की फिल्मों में डेब्यू की चर्चा काफी समय से हो रही थी। वह फिल्म 'महाराज' से बतौर एक्टर डेब्यू करेंगे। फिल्म का फर्स्ट लुक हाल ही में रिलीज किया गया। यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। नेटफ्लिक्स ने यशराज फिल्म्स के साथ तीन फिल्मों के लिए समझौता किया है। जुनैद खान की 'महाराज' के अलावा अनुपम खेर की 'विक्ट्री 69' और वाणी कपूर की 'मंडला मर्डर्स' भी रिलीज होगी। नेटफ्लिक्स ने इन तीनों फिल्मों का फर्स्ट लुक टीजर लॉन्च कर दिया है। 'महाराज' के फर्स्ट लुक टीजर में एक भव्य महल और नृत्य का दृश्य दिखाया गया है। बताया जा रहा है कि इस फिल्म में जुनैद एक पत्रकार की भूमिका निभा रहे हैं। हालांकि, फिलहाल जुनैद खान के रोल और लुक को गुप्त रखा गया है। जुनैद इस फिल्म के लिए काफी समय से तैयारी कर रहे हैं और काफी उत्साहित हैं। कुछ हफ्ते पहले उन्हें पिता आमिर खान और एक्ट्रेस साई पल्लवी के साथ जापान में शूटिंग करते हुए देखा गया था।

सीसीआई स्नूकर क्लासिक: कमल चावला ने इशप्रीत चड्ढा को 5-0 से हराया, आडवाणी, रावत अंतिम 8 में

मुंबई, (हि.स.)। क्रिकेट क्लब ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित स्नूकर क्लासिक 2024 में गुरुवार शाम को कमल चावला ने 16वें राउंड के सर्वश्रेष्ठ 9-फ्रेम मैच में इशप्रीत सिंह चड्ढा के खिलाफ 5-0 से शानदार जीत दर्ज कर अंतिम 8 में प्रवेश किया। 12.5 लाख रुपये की पुरस्कार राशि वाला यह टूर्नामेंट सीसीआई के सर विल्सन जोन्स बिलियर्ड्स हॉल में खेला जा रहा है। लंबे, दुबले-पतले चावला बुनियादी बातों पर अड़े रहे और उन्होंने चड्ढा के खिलाफ सरलता बनाए रखी, जो आश्चर्यजनक रूप से मुकाबला करने में असफल रहे। चावला ने छोटे लेकिन उपयोगी ब्रेक बनाने के अवसरों का फायदा उठाया, जिससे उन्हें 83-4, 53-36, 92-5, 70-14 और 77-14 के अच्छे स्कोर से जीत हासिल करने में सफलता मिली। मौजूदा चैंपियन पंकज आडवाणी ने युवा दिग्विजय कादियान को 5-3 (37-81, 83-40, 41-83, 6-98, 94-2, 73-23, 67-5 और 94-34) से हराया। आठवें फ्रेम में आडवाणी को 72 का एकमात्र ब्रेक मिला, जबकि कादियान को चौथे फ्रेम में 94 का ब्रेक मिला। बहरीन क्यूइस्ट और आईबीएसएफ वर्ल्ड मास्टर्स स्नूकर चैंपियन हबीब सबा, लक्ष्मण रावत से 3-5 से हारकर बाहर हो गए। लक्ष्मण ने चुनौती स्वीकार की और बहरीन के खिलाड़ी को मात देने के लिए 80, 60 और 66 के ब्रेक बनाए, जिन्होंने थोड़ा संघर्ष किया, और 54 का केवल एक बड़ा प्रयास ही कर पाए। रावत ने 60-69, 60-66, 80-48, 64-36, 88-49, 77-19, 45-71 और 81-54 से जीत पक्की की। इस बीच, घरेलू चुनौती देने वाले हसन बादामी का शानदार प्रदर्शन समाप्त हो गया क्योंकि उन्हें 16वें राउंड में तमिलनाडु के विजय निचानी के हाथों 3-5 से हार का सामना करना पड़ा।

निचानी और बादामी दोनों ने अपने सर्वश्रेष्ठ से काफी नीचे खेला और कुछ आसान पॉट गँवाए और परिणामस्वरूप मैच में एक भी उल्लेखनीय ब्रेक नहीं हुआ। नाचानी, जो तीसरे फ्रेम में 47 ब्रेक लेने में सफल रहे, ने 21-71, 65-48, 79-29, 13-77, 67-39, 14-67, 51-30 और 62-43 से जीत हासिल की। मुंबई के प्रतिभाशाली 21 वर्षीय क्यूइस्ट रेयान रजमी ने अपना प्रभावशाली प्रदर्शन जारी रखा और जे. वरुण कुमार को 5-1 से हराकर जीत हासिल की। रजमी ने आत्मविश्वास और स्थिरता से प्रदर्शन किया और क्वार्टर फाइनल में आगे बढ़ने के लिए 94-26, 66-50, 74-26, 25-135, 83-39 और 71-2 से जीत दर्ज की।

इंडियन ओपन गोल्फ 28 से 31 मार्च तक, दुनिया भर के 144 पेशेवर गोल्फर होंगे शामिल

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारतीय गोल्फ संघ ने शुक्रवार को देश के राष्ट्रीय ओपन और प्रमुख गोल्फ टूर्नामेंट- इंडियन ओपन के कार्यक्रम की घोषणा की, जो 28-31 मार्च तक गुरुग्राम के डीएलएफ गोल्फ एंड कंट्री क्लब में आयोजित किया जाएगा।

इस टूर्नामेंट में अमन राज, मनु गंडास और अन्य 31 भारतीय प्रतिभागियों सहित दुनिया भर के 144 पेशेवर गोल्फर शामिल होंगे। हालांकि,

आयोजन के लिए खिलाड़ियों की सूची की अभी भी पुष्टि नहीं हुई है। कोविड-19 प्रतिबंधों के कारण 2020 से 2022 तक तीन साल के अंतराल के बाद, 2023 में डीएलएफ जीसी में टूर्नामेंट की वापसी हुई थी, जहां जर्मन खिलाड़ी मार्सेल सिएम ने जीत हासिल की। यह टूर्नामेंट 2024 में 2 मिलियन अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि के साथ अपना 57वां संस्करण आयोजित करेगा।

भारतीय गोल्फ संघ के अध्यक्ष ब्रिजिंदर सिंह ने यहां आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'मुझे हीरो इंडियन ओपन 2024 की घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है।

यह हमारा प्रमुख कार्यक्रम है और हम इससे मिलने वाले उत्साह और सौहार्द की प्रतीक्षा कर रहे हैं। आइए इस आयोजन को यादगार बनाएं।' उन्होंने आगे कहा, ह्हीरो इंडियन ओपन भारतीय गोल्फ कैलेंडर में एक शिखर के रूप में खड़ा है जो एक ऐसा मंच प्रदान करता है जहां हमारे शीर्ष गोल्फर अपनी प्रतिभा दिखा सकते हैं और साथ ही प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं और दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों से सीख सकते हैं। यह आयोजन लगातार कौशल, खेल कौशल और सौहार्द का मिश्रण लेकर आया है जिससे ऐसे माहौल को बढ़ावा मिला है जिससे भारत में गोल्फ का स्तर ऊंचा हुआ है।''

पेरिस 2024 के लिए तैयार हुआ ओलंपिक गांव, आयोजकों को सौंपा गया

पेरिस, (हि.स.)। पेरिस 2024 के लिए ओलंपिक गांव एथलीटों के स्वागत को तैयार है। 52 हेक्टेयर का यह गांव, सेंट्रल पेरिस के उत्तर में स्थित है और सेंट-डेनिस, सेंट-ओवेन और इले-सेंट-डेनिस की नगर पालिकाओं में फैला हुआ है, जो पैरालंपिक के लिए 9,000 एथलीटों और उनके कर्मचारियों का स्वागत करने से पहले ओलंपिक के दौरान लगभग 14,500 एथलीटों और उनके कर्मचारियों की मेजबानी करेगा। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन ने गुरुवार को ओलंपिक गांव का निरीक्षण किया। मैक्रॉन ने कार्यकताओं से मुलाकात के बाद संवाददाताओं से कहा, ह्यह एक प्रदर्शन है कि हमने अपनी प्रतिबद्धताओं का सम्मान किया है।' खेलों के बाद, गांव को

2,800 अपार्टमेंटों के साथ एक पर्यावरण-अनुकूल क्षेत्र में बदल दिया जाएगा, जिसमें दो स्कूल, एक होटल, एक सार्वजनिक पार्क, दुकानें और कार्यालय, साथ ही पैदल चलने वालों और गैर-मोटर चालित वाहनों के लिए वृक्षारोपण क्षेत्र शामिल होंगे। सिल्वुआ के अनुसार, 2,800 अपार्टमेंट में से लगभग एक तिहाई निजी घर मालिकों को बेचा जाएगा, जबकि एक तिहाई सार्वजनिक आवास के लिए होगा, और बाकी किराये के लिए होगा।

निर्माणकर्ताओं ने कहा कि खेलों के बाद गांव के 6,000 निवासियों को लाभ होगा। ओलंपिक के बुनियादी ढांचे को वितरित करने के प्रभारी कंपनी सोलिडियो के जनरल डायरेक्टर निकोलस फेरैंड ने कहा, ह्फ्रांसीसी निर्माण उद्योग जो कर सकता है, यह उसकी उत्कृष्ट कृति है।' कम कार्बन कंक्रीट, लकड़ी के ढांचे और नवीकरणीय भू-तापीय हीटिंग का उपयोग करके, आयोजकों का दावा है कि गांव अपने जीवनकाल में मानक निर्माण तकनीकों के साथ निर्मित समकक्ष की तुलना में लगभग आधा कार्बन उत्सर्जन पैदा करेगा। गांव में अन्य पर्यावरणीय नवाचारों में पानी को रीसाइक्लिंग करने के लिए एक मिनी जल-प्रसंस्करण संयंत्र शामिल है जिसका उपयोग 9,000 से अधिक पेड़ों और झाड़ियों पर किया जाएगा जो साइट पर लगाए जाने वाले हैं।

पेरिस को खेलों से सम्मानित किए जाने के बाद फेरैंड ने सात साल की यात्रा का समापन करते हुए, पेरिस 2024 के अध्यक्ष टोनी एस्टांगुएट को गांव की एक प्रतीकात्मक चाबी सौंपी। आयोजक अगले चार महीनों में गांव को 300,000 से अधिक फर्नीचर और सजावट की वस्तुओं से सुसज्जित करेंगे।

आईएसएल: जमशेदपुर एफसी का मुकाबला सबसे मुश्किल प्रतिद्वंद्वी मोहन बागान से

कोलकाता, (हि.स.)। मोहन बागान सुपर जायंट की टीम आज शाम अपने घरेलू मैदान साल्ट लेक स्टेडियम में खेले जाने वाले इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) 2023-24 मुकाबले में जमशेदपुर एफसी की मेजबानी करेगी, तो उसकी नजर अंक तालिका के शीर्ष स्थान पर होगी। वर्तमान में, मोहन बागान 15 मैचों में नौ जीत और तीन ड्रा के साथ 30 अंक लेकर तीसरे स्थान पर हैं। उनके इस मुकाबले से पहले, लीग-लीडर ओडिशा एफसी आज रात ईस्ट बंगाल एफसी से खेलेगी, जिसमें सर्जियो लोबेरा के जगरनॉट्स (16 मैचों में 32 अंक) या तो अपनी प्रतिद्वंद्वियों से दूरी बनाएगी या फिसल जाएगी, और मैरिनर्स को अगले दिन आगे निकलने का मौका देंगे। खालिद जमील के हेड कोच पद संभालने के बाद से जमशेदपुर एफसी आईएसएल में अपराजित है और वो 17 मुकाबलों में 20 अंकों लेकर छठे स्थान पर है। वो पांच लीग मैचों की अपराजित फॉर्म को बनाए रखने के लिए उत्सुक होगी, लेकिन मैरिनर्स के रूप में उनके सामने एक कठिन चुनौती होगी। मध्य सत्र के ब्रेक के बाद आईएसएल के फिर से शुरू होने के बाद से ये दोनों टीमें हारी नहीं हैं, और वे अपने-अपने नए मुख्य कोचों से मिले आत्मविश्वास से लबालब हैं।

आईपीएल 2024: कोलकाता नाइट राइडर्स का मुख्य प्री-सीजन कैंप 15 मार्च से

कोलकाता, (हि.स.)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2024 के लिए कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) का मुख्य प्री-सीजन कैंप 15 मार्च से कोलकाता में शुरू होगा। केकेआर ने शुक्रवार को उक्त जानकारी दी। दो बार की चैम्पियन केकेआर का आईपीएल 2024 अभियान 23 मार्च को अपने घरेलू मैदान ईडन गार्डन्स में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ शुरू होगा। फ्रेंचाइजी ने अपडेट में आगे कहा कि उनके कुछ घरेलू भारतीय खिलाड़ी नवी मुंबई में चल रहे डीवाई पाटिल टी20 कप में खेल रहे हैं। परिणामस्वरूप, केकेआर के सहायक कोच अभिषेक नायर ने इस सप्ताह के लिए मुंबई में केकेआर अकादमी में एक अस्थायी प्रशिक्षण सुविधा स्थापित की है।

वर्तमान में सप्ताह भर के सत्र के लिए मुंबई में केकेआर अकादमी में मौजूद खिलाड़ियों में उप-कप्तान नीतीश राणा, रिंकू सिंह, वरुण चक्रवर्ती, सुयश शर्मा, अनुकूल रॉय, वैभव अरोड़ा, चेतन सकारिया, साकिब हुसैन और रमनदीप सिंह शामिल हैं। कोलकाता स्थित फ्रेंचाइजी, जिसकी कप्तानी श्रेयस अय्यर करेंगे, ने यह भी कहा कि वे मुख्य प्री-सीजन कैंप के लिए कोलकाता में खिलाड़ियों के आगमन के बारे में अपडेट साझा करेंगे, जिसमें उनके विदेशी खिलाड़ी भी शामिल होंगे। केकेआर पिछले दो सीजन में आईपीएल प्लेऑफ में जगह बनाने में विफल रहा है, और पिछले साल दुबई में आईपीएल 2024 प्लेयर नीलामी में, उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क की सेवाओं के लिए 24.75 करोड़ रुपये खर्च किए। इस बीच, दिल्ली कैपिटल्स ने गुरुवार से अरुण जेटली स्टेडियम में अपना मिनी प्री-सीजन कैंप शुरू किया, जहां उन्होंने एक इंट्रा-स्क्वाड मैच खेला और अपने व्यक्तिगत कौशल प्रशिक्षण पर ध्यान केंद्रित किया। मिनी-कैंप पांच दिनों का होने की उम्मीद है, जिसमें इशांत शर्मा, कुमार कुशाग्र

यशराज फिल्म्स ने लॉन्च किया वाईआरएफ कास्टिंग ऐप

भारत की प्रमुख मनोरंजन कंपनी यशराज फिल्म्स ने अपना वाईआरएफ कास्टिंग ऐप लॉन्च किया है। इस ऐप के माध्यम से दुनियाभर के अभिनय के इच्छुक उम्मीदवार कास्टिंग कॉल के बारे में जानकारी करने के साथ ही अपने ऑडिशन भी सबमिट कर सकते हैं। वाईआरएफ कास्टिंग ऐप पर उम्मीदवार अपनी प्रोफाइल विवरण पंजीकृत कर सकेंगे। जल्द ही थिएट्रिकल फिल्मों और स्ट्रीमिंग परियोजनाओं से संबंधित सभी आगामी ऑडिशन के बारे में जानकारी भी कर सकेंगे। बाद में यशराज फिल्म्स इसे हरी झंडी देगा। कंपनी का मानना है कि इस ऐप के जरिए फर्जी वाईआरएफ कास्टिंग अकाउंट के कारण होने वाली समस्याओं से काफी हद तक निपटा जा सकेगा।

वर्ल्ड स्केटबोर्डिंग टूर 2024 में सबसे कम उम्र की प्रतियोगी बनीं भारत की 8 वर्षीय जराह ग्लेडिस

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारत की जराह ऐन ग्लेडिस महज आठ साल की उम्र में दुबई में वर्ल्ड स्केटबोर्डिंग टूर 2024 में सबसे कम उम्र की प्रतियोगी बन गई हैं। जराह ने महिला पार्क इवेंट में भाग लिया, क्वालिफिकेशन राउंड के दौरान 8.50 का स्कोर हासिल किया और बुधवार को 63 प्रतियोगियों में से 61 वां स्थान हासिल किया। पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए अपनी ओलंपिक विश्व स्केट रैंकिंग में सुधार करने के इच्छुक स्केटबोर्डर्स के लिए दुबई मीट एक महत्वपूर्ण प्रतियोगिता है। ओलंपिक्स डॉट कॉम के मुताबिक, चार साल की उम्र से स्केटबोर्डिंग शुरू करने वाली जराह ने पिछले साल रोम में स्केटबोर्डिंग पार्क वर्ल्ड चैंपियनशिप 2023 में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदार्पण किया था, जहां उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 10.66 था। मूल रूप से केरल की रहने वाली जराह, जो वर्तमान में संयुक्त अरब अमीरात में रहती हैं, ने अपने दोस्तों से प्रेरित होकर कोविड-19 महामारी के दौरान स्केटबोर्डिंग शुरू की। तब से, उसने कई स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में भाग लिया है, और

संयुक्त अरब अमीरात में अलजादा स्केट जैम और सर्किट एक्स जैसे आयोजनों में खिताब हासिल किया है। उन्होंने दिसंबर 2022 में अंडर-9 आयु वर्ग में भारत की राष्ट्रीय रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप में रजत पदक भी जीता। इस युवा लड़की ने अपनी प्रभावशाली स्केटिंग क्षमताओं से दुनिया भर के लोगों को आश्चर्यचकित कर दिया है। उनके सोशल मीडिया पोस्ट में उनके बोर्ड पर अलग-अलग ऊंचाइयों से छलांग लगाने और कुशलता के साथ सफलतापूर्वक किकफ्लिप पूरा करने के वीडियो शामिल हैं।

प्रेम प्रसंग के चलते पति पत्नी ने प्रेमिका की हत्या करने एवं जघन्य सनसनीखेज एवं चिन्हित प्रकरण में आरोपियों को आजीवन कारावास एवं अर्थदण्ड की सजा

खरगोन जिले से मुन्ना खान
ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

घटना दिनांक 08-03-2021 को अज्ञात महिला का शव निर्वख अवस्था में एक्काडक नहर की पुलिया के पास मिलने की सूचना पर मर्ग कायम कर जांच में लिया गया। मर्ग जांच के दौरान अज्ञात महिला की शिनाख्त रानी गढ़वाल उम्र 30 वर्ष निवासी खण्डवा के रुप में हुई तथा मृतिका रानी के माथे तथा अन्य उपलब्ध साक्ष्य से अज्ञात आरोपी व्दारा मृतिका रानी की हत्या कर साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से शव नहर के किनारे फेंकना पाया जाने से अज्ञात आरोपी के विरुध्द थाना बड़वाह पर अपराध क्रमांक 114/21 धारा 302,201 भादवि का अपराध पंजीबध्द कर अनुसंधान में लिया गया।प्रकरण में अनुसंधान के दौरान दिनांक 11-03-2021 को आरोपी एकलब्य पिता पूनमचंद मालवीय जाति ब्राह्मण उम्र 32 वर्ष निवासी मालवीय कालोनी मोघट व पिंकी पति एकलव्य मालवीय जाति ब्राह्मण उम्र 30 वर्ष को गिरफ्तार कर उनसे पुछताछ के दौरान बताया कि, मृतिका 05-03-2021 की शाम 6.00 बजे तिलकमार्ग स्थित रूम पर उसकी स्कूटी से आई थी, जहाँ रात को वह आरोपी एकलव्य के साथ ही रूकी थी। फिर अगले दिन 06-03-2021 को अचानक आरोपी की पत्नी पिंकी कमरे पर आ गई, जहाँ आरोपी की पत्नी पिंकी व मृतिका रानी के बीच झगड़ा हुआ। इस झगड़े में पिंकी ने अपने पति एकलव्य के साथ मिलकर दुपट्टे से रानी गढ़वाल का गला घोटकर उसे मौत के घाट उतार दिया। उसके बाद एकलव्य व पिंकी ने मृतिका की पहचान छुपाने के लिए मृतिका रानी के सारे कपड़े उतारकर उसकी लाश को एक बोरे में भरकर रानी की ही स्कूटी पर रखकर नर्मदा के एक्काडक पुल के पास नहर किनारे फेंक दिया। प्रकरण में आरोपीगण द्वारा मृतिका रानी की निर्मम हत्या करने से जनता में कॉफी रोश व्याप्त होने से जघन्य सनसनीखेज चिन्हित श्रेणी में शामिल किया गया था। अनुसंधान के दौरान आरोपियों के विरुध्द प्रर्याप्त साक्ष्य संकलन कर चालान कता किया जाकर माननीय न्यायालय में पेश किया गया, जो माननीय प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश, बड़वाह पश्चिम निमाड़ के एसटी नंबर 10/2021 पर विचाराधीन था।पुलिस अधीक्षक जिला खरगोन के निर्देशन एवं अति. पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में समस्त अनुविभागीयअधिकारी एवं समस्त थाना प्रभारियों को चिन्हित प्रकरणों में विशेष ध्यान देकर समंस वांरट, जमानतीय वारंट तामील कराने हेतु निर्देशित किया गया गया था।प्रकरण विचारण के दौरान माननीय प्रथम अपर सत्र न्यायाधीश, बड़वाह पश्चिम निमाड़ जिला खरगोन द्वारा दिनांक 02-03-2024 को निर्णय पारित करते हुए, जघन्य सनसनीखेज/चिन्हित श्रेणी में शामिल प्रकरण के आरोपी एकलव्य पितापुनमचंद्र मालवीय तथा उसकी पत्नि पिंकी पति एकलव्य मालवीय निवासी मालवीय कालोनी मोघट को दोषी मानते हुएभादवि की धारा 302 भादवि में आजीवन कारावास एवं धारा 201 में 05 वर्ष के सश्रम कारावास एवं दोनो को 1000-1000/- रुपये के अर्थदण्ड से दण्डित किया गया है।उक्त प्रकरण जघन्य सनसनीखेज एवं चिन्हित श्रेणी में शामिल प्रकरण के आरोपियों को सजा दिलाने में जघन्य सनसनी खेज एवं चिन्हित प्रकरण में सहायक लोक अभियोजन अधिकारी बड़वाह श्री चंपालाल मुजाल्दे, तत्कालीन थाना प्रभारी निरीक्षक श्री संजय द्विवेदी, प्रथम पैरवीकर्ता अधिकारी उनि. मिथुन मेंचौहान, द्वितिय पैरवीकर्ता अधिकारी उनि. सुनिल जामले एवं पुलिस थाना बड़वाह स्टाफ का विशेष योगदान रहा है।

गुजरात के पाटन में पी.एम.श्री स्कूल के शिक्षकों को दिया गया शिक्षाशास्त्र आधारित प्रशिक्षण

ब्यूरो रिपोर्ट दैनिक पुष्पांजली टुडे

जीसीआरटी गांधीनगर प्रेरित जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण भवन, पाटन द्वारा आयोजित पीएम श्री स्कूल के अंतर्गत बेसिक शासकीय मिश्र प्रयोगशाला, डायट पाटन में शिक्षाशास्त्र आधारित तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।प्रशिक्षणमें पहले दिन विशेषज्ञ भरतभाई प्रजापति, रोडा स्कूल एवं दिलीप सिंह गोहिल, वामैया पीएम श्री स्कूल के शिक्षकों को स्कूल द्वारा अनुभवात्मक और आईसीटी-आधारित शिक्षाशास्त्र की व्यापक समझ दी गई। प्रशिक्षण के दूसरे दिन विशेषज्ञ परेशाबेन रावल, वसंतभाई पटेल और चिंतनभाई गज्जर ने कहानी, नाटक और खिलौना आधारित शिक्षाशास्त्र पर जीवंत चर्चा की। जबकि प्रशिक्षण के अंतिम दिन विशेषज्ञ चिंतनभाई गज्जर ने मनोरंजक शिक्षणशास्त्र और दिलीप सिंह गोहिल द्वारा नवीन, आविष्कारशील और नाटकीयता शिक्षणशास्त्र की प्रभावी व्याख्या की। डायट प्राचार्य श्री डा.पिंकीबेन रावल द्वारा बताया गया कि ऐसे प्रशिक्षण कक्षा अभ्यास को प्रभावी बनाते हैं तथा डायट के व्याख्याता श्री डा. पीनलबेन गोरडीया ने प्रशिक्षण का उचित प्रबंधन प्रदान किया। पीएम श्री स्कूल के शिक्षकों द्वारा प्रशिक्षण के तहत सकारात्मक प्रतिक्रिया प्राप्त हुई।

कुमावत समाज बिलाड़ा का तीसरा वार्षिक स्नेह मिलन धूम-धाम से मनाया

पुष्पाजंली टुडे

बेंगलुरु। बिन्नी मिल रोड कोटनपेट स्थित जांगिड भवन मैं गुरूवार को कुमावत समाज बिलाड़ा का तीसरा स्नेह मिलन समारोह मनाया गया । इसमें समाज के ट्रस्ट अध्यक्ष और राजनेता शामिल हुए। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सांसद पीसी मोहन ने राजस्थानियों की मेहनत लगन और समर्पित भावना और पार्टी के साथ जुड़ाव को महत्वपूर्ण बताया वहीं उन्होंने कहा कि आपकी जन्म भूमि भले ही राजस्थान रही हो लेकिन कर्म भूमि आपकी कर्नाटक है! इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के सप्तगिरि गौड़ा ने भी राजस्थानियों की प्रशंसा करते हुए क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका बतायी! इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के आने को पदाधिकारी मौजूद रहे! इन सब का समाज की ओर से भव्य साफा पुष्प और सॉल ओढ़ाकर स्वागत और अभिनंदन किया गया। मुख्य वक्ताओं में विनोद प्रांजा व शैतान सिंह ने भी संबोधित किया। इस अवसर पर कर्नाटक के समाज के बने संगठनों के अध्यक्ष फतेहचंद कुमावत बैंगलोर मानक सिंदड, नरेंद्र गोयल, पुखराज मान्दणीया, बगदाराम मांवर मैसूर, बाबुलाल बाकरेचा मैसूर, भेरूलाल रेणवाल, ओम प्रकाश कुमावत मैसूर, पेमाराम चांदोरा, लालाराम कुमावत, अर्जुन राम दुबलदिया, पारसराम दुबलदिया, ओमप्रकाश गुगोण, बाबूलाल कुमावत आदि का सामाजिक संगठन की ओर से स्नेह मिलन के शुभ अवसर पर भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर समाज की प्रतिभा पूजा बोराव ने मोबाइल के दुरुपयोग बच्चों के संस्कार एवं बच्चों पर पढ़ने वाले प्रभाव के बारे में उद्बोधन दिया वहीं पर समाज में कुछ रूढ़िवादी परंपराओं को त्याग कर समाज के विकास में क्रांतिकारी परिवर्तन की ओर चलने पर जोर दिया गया। विशेष रूप से सभी वक्ताओं ने व्यापार के साथ शिक्षा पर विशेष जोर दिया और शिक्षा से ही सभी परिवारों का एवं समाज का विकास हो सकता है इस अवसर पर पेमाराम गोडला, कन्हैया लाल मालवीया, चिरंजीलाल सांगर, पन्नालाल बोडावड, तेजाराम तिलायचा, ओमप्रकाश अडाणीया, माणक राम तिलायचा, माधव कारोलिया, महेंद्र सांगर, नरेंद्र मालवीया, मनोहर सांगर, बगदाराम दुबल्दीया, पारसराम धमानिया, दिनेश गुड़िया, अशोक तिलायचा आदि की उपस्थिति में नई कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें पेमाराम घोड़ला को सर्वसम्मति से अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इसी प्रकार घोषणा की कि अगले साल तक महिला मंडल की स्थापना करके महिला संगठन को भी मजबूत बनाया जाएगा। इस अवसर पर महिला भी भारी तादाद में उपस्थिति रही कार्यक्रम का संचालन बाबूलाल कुमावत ने किया।

ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर की जनसुनवाई में हुआ जनसमस्याओं का त्वरित निराकरण

महेंद्र शर्मा उपसंपादक पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर। प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने शनिवार को अपने ग्वालियर रेसकोर्स रोड स्थित अपने सरकारी कार्यालय में जनसुनवाई के दौरान समस्याओं का त्वरित निराकरण किया। इस अवसर पर उन्होंने सम्बन्धित अधिकारियों को समस्याओं के निराकरण के निर्देश देते हुए समस्याओं का निदान निर्धारित समय सीमा में करने की बात कही। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने जन सुनवाई में आई जरुरतमंद महिलाओं को तत्काल राशन दिलाने के निर्देश के साथ ही वृद्धजनों की वृद्धावस्था पेंशन तथा मुफ्त इलाज हेतु आयुष्मान कार्ड बनवाने के निर्देश भी दिए।ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने इस अवसर पर मुलाकात करने आए लोगों को आश्वस्त किया कि यह

सेवक किसी भी परिवार के साथ अन्याय नहीं होने देगा। मुख्यमंत्री जी ने अंतिम छोर के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं का लाभ पहुंचे इसके पुख्ता इंतजाम किए हैं। इस दिशा में सरकार सतत प्रयत्नशील है।इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री श्री तोमर ने क्रमवार एक-एक आवेदक के पास जाकर उनकी समस्याएँ सुनीं और सम्बन्धित अधिकारियों को त्वरित कार्यवाही के निर्देश दिए। इसके अलावा उन्होंने मोबाइल फोन से संबंधित अधिकारियों से चर्चा करते हुए समस्याओं के निराकरण में किसी भी सूरत में लापरवाही बर्दाश्त नहीं करने की हिदायत दी। उल्लेखनीय है कि ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर द्वारा सप्ताह के प्रत्येक शनिवार को आमजन की बिजली, पानी व राशन से संबंधित शिकायतों के निराकरण के लिए जनसुनवाई की जाती है।

नोहलेश्वर महादेव पर्व को लेकर महत्वपूर्ण बैठक संपन्न

पुष्पांजली टुडे

दमोह। नोहटा के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के सभागार में नोहलेश्वर महादेव पर्व को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में 9 से 11 मार्च 2024 तक आयोजित होने महोत्सव को लेकर तैयारी के संबंध में जानकारी ली गई। बैठक में मुख्य अतिथि अनु विभाग अधिकारी तेंदूखेड़ा बृजेश सिंह रहे तो वही कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ रंगकर्मी राजीव अयाची ने की।बैठक में जबेरा तहसीलदार विवेक व्यास नायब तहसीलदार संतोष साहू चंद्रशेखर शिल्पी तेंदूखेड़ा कॉलेज के प्राचार्य सुभाष अग्रवाल और जबेरा की प्राचार्य डॉ रितु श्रीवास्तव उपस्थित रही। इसके अलावा नोहटा के सरपंच लालू यादव अतिथि के

रूप में उपस्थित रहे।कार्यक्रम में संस्कृति विभाग द्वारा यह कार्यक्रम मध्य प्रदेश शासन के पर्यटन एवं संस्कृति राज्य मंत्री धर्मेंद्र सिंह लोधी के मार्गदर्शन संपन्न होगा। जिसमें क्षेत्रीय लोक संस्कृति के कार्यक्रम के अलावा बुंदेलखंड से जुड़ी अनेक संस्कृति एवं विधाओं को मंच से प्रस्तुत किया जाएगा। कार्यक्रम में श्रीवास्तव और जनपद पंचायत इंस्पेक्टर निरपत सिंह मध्य प्रदेश शासन के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री के निजी सचिव ओम प्रकाश महोबिया,दिनेश प्यासी के साथ लक्ष्मी सूर्यवंशी प्राचार्य हाई स्कूल की उपस्थिति रही। कार्यक्रम में अनेक सुझाव दिए गए और जनप्रतिनिधियों द्वारा सुझाव दिए गए जिन पर विस्तार से चर्चा की गई कार्यक्रम को सफल बनाने में मंत्री के प्रतिनिधि के रूप में सत्येंद्र सिंह ने मेले को सफल बनाने के लिए आप सबसे सहयोग की अपील की है बैठक का सफल संचालन संस्कृति कर्मी डॉक्टर आलोक सोनवलकर ने किया कार्यक्रम के दौरान 7 से 12 मार्च 2024 तक मेले का आयोजन होगा।

लापरवाही :ग्राम पंचायत नारही चढ़ी भ्रष्टाचार की भेंट जिम्मेदार अधिकारी नहीं दे रहे ध्यान

ग्राम पंचायत नारही में मजदूरों की जगह जेसीबी मशीनों से हो रहा है निर्माण कार्य

शिवपुरी
पुष्पांजलि टुडे से सतीश परिहार
करैरा

करैरा अनुविभव के अंतर्गत ग्राम पंचायत नारही मे सरपंच राजेन्द्र सिंह राठौड़ एवं सचिव प्रकाश रासमेरिया द्वारा नारही ग्राम पंचायत में गरीबों की मजदूरी पर डाका डालकर पंचायत में हो रहे निर्माण कार्य को मजदूरों से ना कराकर जेसीबी मशीनों द्वारा दिनदहाड़े करवाया जा रहा है। बही नारही पंचायत के सरपंच एवं सचिव की धाक जमकर पेल रहे हैं। तलैया में निर्माण कार्य पंचायत के कर्ताधर्ताओं के द्वारा भ्रष्टाचार की भेंट चड़ रही है। जिसकी सुध लेने बाला कोई इस ओर ध्यान नहीं दे रहे। जिसमें सरपंच खुद जेसीबी मशीन चलवाते हुए दिख रहे है एवं ग्राम पंचायत नारही के ग्रामीणों ने जानकारी देते हुए बताया कि हमारी ग्राम पंचायत में जितने भी निर्माण कार्य हुए हैं वह पूरी तरह घटिया हुए उन निर्माण कार्य में रेत की जगह मुरम का उपयोग किया गया है एवं फर्जी मस्टर भरकर अवैध रूप से लाखों की राशि हड़प कर ली सरपंच सचिव ने एवं खास बात यह है कि मामले की जानकारी करैरा के जनपद पंचायत के आला अधिकारियों तक भी पहुंच चुकी है लेकिन भ्रष्ट सरपंच सचिव पर अभी तक कोई भी ठोस कार्यवाही नहीं की गई इससे ऐसा प्रतीत होता है कि कहीं ना कहीं करैरा जनपद पंचायत के आला अधिकारियों की मिलीभगत भी इस भ्रष्टाचार में हो सकती है ग्रामीणों ने जानकारी देते हुए बताया कि हमारी ग्राम पंचायत में सरकार से मिलने वाली जन हितेषी कल्याणकारी योजनाओं का लाभ हम लोगों को जब मिल पाता है जब हमें सरपंच सचिव को मोटी रिश्वत देनी पड़ती इसके बाद हमें लाभ मिल पाता अब देखना यह होगा कि जिम्मेदार अधिकारी भ्रष्ट सरपंच सचिव पर क्या कार्यवाही करते हैं या फिर कार्यवाही को ठंडे बस्ते में डाल दी जाएगी।

पंचायत के पूरे गांव में जगह-जगह कीचड़ व फैलीं गंदगी-एक तरफ सरकार द्वारा स्वच्छ भारत अभियान के तहत मध्य-प्रदेश में स्वाच्छ भारत बनाने में लगीं हुई है। लेकिन इधर सरपंच एवं सचिव पलीता लगाने में जुटे हुए हैं। ग्रामीणों ने बताया कि सफाई के नाम पर फर्जी राशि निकाल कर अपनी जेमे भर रहें हैं।और अपने घर पर निजी निर्माण कार्य कर रहे। हालात यह है कि गांव में कीचड़ है, और मुख्य रास्ते भी गंदगी से सने हुए हैं। सफाई के नाम पर पूरे गांव में कोई सफाई व्यवस्था नहीं है। नारही गांव के ग्रामीण कीचड़ से गुजरना पड़ रहा है जिससे उनको काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा । बही स्कूली बच्चे भी निकलने में मजबूर है, कई बार तो फिसल कर चोटिल हो चुके हैं ।

ओबीसी महासभा के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष का महासभा के पदाधिकारियों ने स्वागत किया

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । ओबीसी महासभा के कार्यकार्यणीय राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं यदुवंशी संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रुपेश यादव के द्वारा 27 फ़रवरी से लगातार चम्बल सम्भाग एवं ग्वालियर सम्भाग में ओबीसी अधिकार यात्रा निकाली जा रही है,जिसको लेकर आज यात्रा के साथ भिण्ड भी पहुंचे जिनका भिण्ड जिले में जगह जगह स्वागत किया गया राष्ट्रीय अध्यक्ष ने कहा ओबीसी की जाति गत जन ग?ना कराई जाए 27 प्रतिशत आरक्षण लागू कराया जाए ओबीसी के युवाओं पर अपने हक अधिकार को लेकर आंदोलनों में झूठे मुकदमे लगाए गए हैं,उन्हें वापस लिए जाए एसे कई मुद्दों को लेकर ओबीसी आधिकार यात्रा निकाली जा रही है ओबीसी महासभा के कार्यकारी राष्ट्रीय अध्यक्ष रुपेश यादव ने कहा अगर हमारे ओबीसी की जो मागे है उनको पूरा नही किया गया तो ओबीसी महासभा मध्य प्रदेश के बाद देश भर में आंदोलन करेगी।यात्रा में ओबीसी महासभा एवं यदुवंशी संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष रुपेश यादव,ओबीसी महासभा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र कराना सुनील यादव सोनू यादव,संतोष,अजय कुमार, पंजाब सिंह,शंकर सिंह किरार जैसे सैकड़ों लोग काफिले में थे।स्वागतकर्ताओ में बस स्टेंड यादव ट्रेवल्स कल्लू यादव,सुरेश यादव, यदुवंशी संगठन से अंशु यादव,मनीष,रविंद यादव सतेंद्र यादव,दिनेश यादव,सुमित बघेल,दिनेश बघेल,जीतू यादव, एडवोकेट सर्वेश यादव,रामनरेश यादव जैसे सेकड़ो लोगो ने कई जगह भिण्ड से अटेर होते हुऐ फूप तक कई जगह स्वागत किया गया ।

दूसरी संतान भी बेटी हुई तो किया प्रताड़ित, लाखों रुपये दहेज की डिमांड के बाद घर से निकाला, महिला पटवारी ने दर्ज कराई FIR

दूसरों की समस्याओं को सुलझाने वाली एक शासकीय महिला कर्मचारी ही न्याय की गुहार लेकर पुलिस थाने पहुंची है, पीड़िता पटवारी है और दहेड़ प्रताड़ना की शिकार है, इतना ही नहीं उसे ससुरालियों ने घर से इसलिए निकाल दिया कि उसकी दूसरी संतान भी बेटी हुई, पुलिस ने महिला पटवारी की शिकायत पर उसके पति, सास, ससुर और देवर पर दहेड़ प्रताड़ना सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है।पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक ग्वालियर में रहने वाली रिचा नामक महिला की शादी दतिया निवासी गौरव दुबे से 31 जनवरी 2013 को पूरे धार्मिक रीतिरिवाज के साथ हुई थी, रिचा पहले से ही शासकीय सेवा की तैयारी कर रही थी जो ससुराल में भी जारी रही, इसी दौरान 24 अक्टूबर को रिचा ने बेटी को जन्म दिया।

2014 में पटवारी भर्ती में हुआ चयन -शिकायत में रिचा ने कहा कि बेटी हुई तो ससुरालियों का मुंह बन गया मुझे घर ले जाने से इंकार करने लगे, अस्पताल का खर्च मेरे पिता ने उठाया और फिर एक रिश्तेदार से उधार लेकर 1 लाख रुपये ससुरालियों को दिय इताब वे मुझे ससुराल लेकर गए। यहाँ तब सब ठीक था, इसी दौरान 2014 में रिचा का चयन पटवारी भर्ती परीक्षा में हो गया उसे ग्वालियर में पोस्टिंग मिली।**दूसरी बेटी के जन्म के बाद बड़ गई प्रताड़ना** -रिचा दतिया ग्वालियर अप डाउन करने लगी, ससुराल में नौकरी को लेकर भी विवाद शुरू हो गया, घर वाले उसकी सेलरी अपने पास रखने लगे। इसी दरमियाँ रिचा फिर गर्भवती हुई और 13 जुलाई 2017 को उसने दूसरी बेटी को जन्म दिया तो जैसे ससुरालियों पर मातम छा गया , उन्होंने ताने मारने शुरू कर दिए कि बेटी पैदा करने से तो अच्छा था तू मर जाती अब हमारा वंश कैसे आगे चलेगा

भदैया कुण्ड पर सिंगल गेट प्रवेश एवं पार्किंग के संचालन हेतु आवेदन 5 मार्च तक

अनिल कुशवाह
पुष्पांजलि टुडे

शिवपुरी- जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद शिवपुरी द्वारा पर्यटन स्थल भदैया कुण्ड पर सिंगल गेट प्रवेश एवं पार्किंग सहित 03 वर्ष की अवधि के लिए संचालन हेतु प्रतिमाह किराये पर ठेका पद्धति के आधार पर दिया जा रहा है। इच्छुक व्यक्ति, व्यवसायी, फर्म, निविदा प्रक्रिया में दी गई शर्तों के अधीन भाग ले सकते है।जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद शिवपुरी के नोडल अधिकारी ने बताया कि निविदा प्रपत्र को 20 फरवरी से 05 मार्च तक 2 हजार रूपये के डिमांड ड्राफ्ट के साथ नोडल अधिकारी जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद शिवपुरी के पक्ष में तैयार कर प्राप्त किया जा सकता है तथा 6 मार्च को निविदाएं दोपहर 2 बजे तक जमा की जा सकती हैं। सील बंद प्राप्त निविदाएं सक्षम प्राधिकारी द्वारा उसी दिन दोपहर 3 बजे उपस्थित व्यक्तियों अथवा उनके प्रतिनिधियों के समक्ष कार्यालय डीएटीसीसी कलेक्टर परिसर, शिवपुरी में निविदाएं खोली जाएगी। भदैयाकुण्ड शिवपुरी स्थल सिंगल गेट प्रवेश एवं पार्किंग सहित 03 वर्ष हेतु प्रतिमाह किराये के आधार पर संचालन एवं संधारण के कार्य का न्यूनतम मासिक किराया 26 हजार तथा अमानत राशि के रूप सुरक्षा निधि 1 लाख रुपए रखी गई है।इच्छुक व्यक्ति, संस्था, फर्म द्वारा निविदा एवं कार्य से संबंधित विस्तृत जानकारी एवं शर्तें कार्यालयीन दिवस में कार्यालयीन समय में कार्यालय जिला पुरातत्व पर्यटन एवं संस्कृति परिषद कलेक्ट्रेट परिसर शिवपुरी तथ पर देखी जा सकती है।

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा ने एमपी में किया प्रवेश, मुरैना की सभा में बोले- देश में हो रहा आर्थिक अन्याय

मुरैना, । राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा ने राजस्थान से मध्य प्रदेश में प्रवेश कर लिया है। चंबल नदी के राजघाट पुल कांग्रेस नेताओं और कार्यकार्तओं ने उनका स्वागत किया और जल से भरा कलश उन्हें सौंपा। इसके बाद उन्होंने मुरैना में सभा को संबोधित किया और यहां से ग्वालियर के लिए रवाना हो गए।राहुल गांधी ने मुरैना की सभा में कहा- बारिश में आप यहां भीग रहे थे तब भी खड़े रहे इसलिए दिल से धन्यवाद...। पिछले साल हमने भारत जोड़ो यात्रा की.. कन्याकुमारी से कश्मीर तक चले। हजारों लोग हमारे साथ चले.. क्यों चले.. क्योंकि देश में बीजेपी और आरएसएस डर और हिंसा फैला रहे हैं। हमारी बात मीडिया में नहीं आती इसलिए हमने सोचा सीधा जनता के बीच जाकर अपनी बात रखें। आजादी के बाद पहली बार किसी पार्टी ने 4 हजार किमी की यात्रा की।राहुल ने कहा, इससे बड़ा फायदा हुआ.. नफरत और मोहब्बत के बीच जो लड़ाई हुई वह लोगों को साफ दिखाई दी। एक तरफ भाजपा बांट रही है वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस जोड़ रही है.. नफरत के बाजार में हमने मोहब्बत की दुकान खोली है। इस यात्रा में हमने एक शब्द न्याय जोड़ दिया। पहली यात्रा में लोगों ने कहा कि चारों तरफ अलग अलग अन्याय हो रहे हैं।युवाओं, किसानों के साथ अन्याय हो रहा है इसलिए नफरत फैल रही है। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ा आर्थिक अन्याय हो रहा है। देश में 22ऐसे लोग हैं उनके पास उतना धन है जितना देश की आधी आबादी के पास है।

राहुल बोले– जो 50 फीसदी सबसे गरीब हैं उनके पास 3 प्रतिशत धन है.. 5 प्रतिशत के पास 60 प्रतिशत धन है। हिंदुस्तान में पाकिस्तान और बांग्लादेश से दोगुनी बेरोजगारी है, क्योंकि केंद्र सरकार ने जीएसटी लागू की, नोटबंदी की तो छोटे बिजनेस बंद हो गए। हिंदुस्तान में छोटे रोजगार बंद हो गए... युवा बेरोजगार हो गए। पीएम ने 16 लाख करोड़ 10 उद्योगपति का माफ किया आज तक किसानों का एक रुपये माफ नहीं किया। किसान सिर्फ एमएसपी मांग रहा है। किसान सिर्फ सही दाम चाह रहा है।उन्होंने कहा जैसे ही किसानों का अनाज तैयार होता है एक्सपोर्ट पालिसी बदलकर दाम गिरा देते हैं। जैसे ही दिल्ली में कांग्रेस की सरकार आएगी, लीगल एमएसपी दे देंगे। देश में 50 प्रतिशत पिछड़े हैं, 73 प्रतिशत दलित आदिवासी हैं। बड़ी कंपनियों के मालिकों की लिस्ट निकाल लें एक व्यक्ति दलित नहीं मिलेगा। निजी कंपनियों में बड़े पदों पर 73त्न में से कोई नहीं मिलेगा।उन्होंने कहा बड़े प्राइवेट कालेज, प्राइवेट अस्पतालों, विवि की लिस्ट निकाल लो 73त्न प्रतिशत में कोई भी नहीं मिलेगा। ब्यूरोक्रेसी की लिस्ट निकाल लो, सिर्फ 3 आदिवासी हैं। 73 प्रतिशत को कोने में बिठा दिया जाता है। प्राइवेट कंपनी, शिक्षा में आप नहीं हो, फिर हो कहां। मनरेगा में आपके नाम दिख जाएंगे। केंद्री सरकार आर्थिक अन्याय कर रही है। इसीलिए हमने न्याय शब्द जोड़ दिया, क्योंकि हम चाहते हैं कि गरीब लोगों को न्याय मिले।

राहुल गांधी ने कहा- जाति जनगणना जिस दिन हो गई 73 प्रतिशत के खिलाफ अन्याय रुक जाएगा।धन का बंटवारा कैसे हुआ.. कौन से वर्ग के कितने लोग हैं यह सब जाति जनगणना से सामने आ जाएगा। अग्निवीर को बलिदानी का दर्जा नहीं दिया जाता है। सेना में दो तरह के बलिदानी होंगे। यदि अग्निवीर हुआ तो उसकी इज्जत नहीं करेगा। चार में से तीन अग्निवीर वापस आएंगे तो उन्हें न पेंशन मिलेगा न सम्मान मिलेगा। सरकार चाहती है रक्षा बजट उद्योगपति की जेब में जाए।बारिश से पहले आई आंधी में राजघाटपुल से लेकर मुरैना तक सड़क के किनारे लगे कांग्रेसियों के बैनर पोस्टर धरासायी हो गए।

राहुल को बम से उड़ाने की धमकी के बाद सुरक्षा और कड़ी

ग्वालियर। महाराष्ट्र की नासिक पुलिस को पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी को उनके पिता राजीव गांधी की तरह बम से उड़ाने की धमकी मिलने के बाद ग्वालियर पुलिस अलर्ट हो गई है। इस इनपुट के बाद जहां केंद्रीय गृह मंत्रालय ने राहुल गांधी के आवास की सुरक्षा बड़ा दी है। वहीं दिल्ली, यूपी व मध्यप्रदेश पुलिस से राहुल गांधी की सुरक्षा कड़ी करने को कहा है। उनकी न्याय यात्रा के मध्यप्रदेश में प्रवेश के साथ ही सुरक्षा के पुख्ता बंदोबस्त किये गये है। ग्वालियर आईजी अरविंद सक्सैना ने राहुल की न्याय यात्रा के ग्वालियर में प्रवेश के साथ ही उनकी सुरक्षा का घेरा कड़ा कर दिया है। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान बम से हमला होने के इनपुट मिलने के बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय ने उनकी सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करने के लिये दिल्ली, यूपी व मध्यप्रदेश पुलिस से कहा है। दिल्ली पुलिस ने गृह मंत्रालय के आदेश के बाद 24 अकबर रोड स्थित उनके आवास की सुरक्षा बड़ा दी है। उनके आवास के पास पेट्रोलिंग बड़ा दी गई है। सादे कपड़ों में पुलिसकर्मी तैनात कर दिए गए हैं। वहीं राहुल गांधी की न्याय यात्रा आज देर सायं ग्वालियर में प्रवेश कर गई। राहुल की यात्रा के मध्यप्रदेश व ग्वालियर में प्रवेश के साथ ही पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। ग्वालियर आईजी अरविंद सक्सैना न्याय यात्रा पर निगाह रखे है। उन्होंने पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष की सुरक्षा कड़ी कर दी है और उनसे मिलने वाले हर व्यक्ति पर बारीकी से निगरानी की जा रही है। लेकिन फिर भी राहुल गांधी आम लोगों से सुरक्षा घेरा तोड़ कर मिल रहे हैं। उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी को अभी जेड प्लस सुरक्षा मिली हुई है। इसमें संबंधित व्यक्ति के पास 10 से ज्यादा एनएसजी कमांडो और पुलिस कर्मी समेत 55 ट्रेंड जवान तैनात किए जाते हैं। ये सभी कमांडो 24 घंटे व्यक्ति के चारों तरफ पैनी नजर रखते हैं। हर कमांडो मार्शल आर्ट का स्पेशलिस्ट होता है।

विज्ञान महाविद्यालय में महिला अतिथि विद्वान को मिलेगा सवैतनिक मातृत्व अवकाश

ग्वालियर।श्रीमंत माधवराव सिंधिया शासकीय आदर्श विज्ञान महाविद्यालय की जनभागीदारी की सामान्य परिषद एवं प्रबंध समिति की संयुक्त बैठक में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। जिसमें पहली बार किसी महाविद्यालय की महिला अतिथि विद्वानों को सवैतनिक 30 दिवसीय मातृत्व अवकाश के अलावा 10 करोड़ रुपए की लागत से एक हजार बैठक क्षमता का सभागार बनाने का प्रस्ताव पास किया गया।जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष वरिष्ठ आर्किटेक्ट अजय बंसल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में प्राचार्य डॉ बीपीएस जादौन सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे। बैठक में लिए गए निर्णयों की जानकारी देते हुए श्री बंसल ने बताया कि महाविद्यालय में 11.50 करोड़ रुपए की लागत से कई विकास कार्यों के प्रस्तावों को मंजूरी दी गई

है। जिसमें 10 करोड़ रुपए की लागत से एक हजार बैठक क्षमता का सभागार,नौ लाख रुपए में प्राणी शास्त्र एवं वनस्पति शास्त्र विभाग के म्यूजियम का आधुनिकीकरण, पांच लाख रुपए में खेल मैदान के चारों ओर 15 फीट ऊंची दीवार, चार लाख में देशभक्ति सैल्फी पाइंट, अतिथि विद्वानों का मानदेय 30 हजार, पार्किंग विस्तार पर पांच लाख रुपए, स्वामी विवेकानंद सभागार के जीर्णोद्धार पर नौ लाख ,25 वर्ष से लंबित बाउंड्री वॉल के निर्माण को हरी झंडी दी गई। इसके साथ ही समिति सदस्य निधि गर्ग एवं रेखा गर्ग के द्वारा महिला अतिथि विद्वान को सवैतनिक 30 दिवसीय मातृत्व अवकाश स्वीकृत किया गया। बैठक में अशोक कुमार शर्मा, निधि गर्ग,अलोपी बंसल, अमित सेठी,शुभम जैन, रेखा गर्ग, राजेश गुर्जर, अभिषेक राजावत, शिवराज कटारे,योगेश इंदोरिया, डॉ नागेंद्र चतुर्वेदी, डॉ एस एस सेंगर, डॉ आरके खरे आदि मौजूद रहे।

बलात्कार के आरोपियों को फांसी की सजा दी जाए: अलका लांबा

ग्वालियर। बलात्कार पीड़ित नाबालिग एवं महिलाओं को शीघ्र न्याय दिलाने हेतु फास्ट्रेक कोर्ट एवं स्पेशल कोर्ट का शीघ्र गठन कर बलात्कारियों को फांसी पर लटकाया जाए। संदेशखाली घटना में पीड़ित महिलाओं को न्याय दिलाने हेतु आरोपियों को फांसी पर चड़ाया जाए। यह बात महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष सुश्री अलका लांबा ने शुक्रवार को पत्रकारों से चर्चा करते हुये कही। पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में हुई घटना के बारे में सुश्री अलका लांबा ने कहा कि घटना में पीड़ित महिलाओं को न्याय दिलाने हेतु आरोपियों को फांसी पर चड़ाया जाए। वहीं साक्षी मलिक के सवाल पर उन्होंने कहा कि केंद्र की सरकार साक्षी के आरोपी की मदद कर रही है यह सारा देश जानता है। अलका लांबा ने कहा कि देश के किसानों को लेकर अदालत ने टिप्पणी की है। किंतु इसके बाद भी केंद्र की भाजपा सरकार किसानों के ऊपर ड्रोन के माध्यम से आंसू गैस के गोले छोड़ रही है, यह बहुत ही शर्मनाक है। पत्रकारवार्ता में प्रदेशाध्यक्ष महिला कांग्रेस श्रीमती विभा पटेल, वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्रीमती रश्मिा पंवार, जिला अध्यक्ष मीनू परिहार उपस्थित थी।

समय के बदलते चक्र में वैदिक घड़ी से दुनिया में मध्यप्रदेश और देश का नाम बड़ेगा: सीएम यादव

भोपाल । मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि समय के बदलते चक्र में उज्जैन में स्थापित दुनिया की पहली वैदिक घड़ी मध्यप्रदेश एवं देश का नाम दुनिया में बड़ायेगी। अब भारत का समय दुनिया में जाना जायेगा। राज्य सरकार सम्राट विक्रमादित्य पर केन्द्रित साहित्य का सृजन करने का प्रयास भी कर रही है। सम्राट विक्रमादित्य पर हमें सदैव गर्व रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को कालिदास अकादमी उज्जैन में संस्कृति विभाग स्वराज संस्थान एवं जिला प्रशासन द्वारा आयोजित विक्रमोत्सव-2024, रीजनल इंडस्ट्रीज कॉन्क्लेव उज्जैन-2024 और उज्जयिनी व्यापार मेला-2024 का शुभारंभ कर संबोधित कर रहे थे।मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को प्रदेश की 1.29 करोड़ लाड़ली बहनों के खाते में 1576 करोड़ रूपए की राशि अंतरित की। जिसमें ग्वालियर जिले की 3 लाख 11 हजार 1600 हितग्राहियों के खातों में पहुँची 38 करोड़ 30 लाख रूपए की राशि शामिल है। इसी तरह मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लाड़ली लक्ष्मी योजना के तहत प्रदेश की 2 लाख 85 हजार बालिकाओं के खाते में छात्रवृत्ति की 85 करोड़ रूपए की राशि अंतरित की। जिसमें ग्वालियर जिले की कक्षा-6, 9, 11 व 12वीं कक्षा में अध्ययनरत 4 हजार 264 बालिकाओं के खाते में पहुँची धनराशि भी शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंचासीन अतिथियों के साथ मां सरस्वती एवं सम्राट विक्रमादित्य के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। एमएसएमई मंत्री चेतन कश्यप, पर्यटन एवं संस्कृति राज्यमंत्री धर्मेन्द्र लोधी, सांसद अनिल फिरोजिया और विधायक अनिल जैन कालुहेड़ा, सतीश मालवीय, चिंतामण मालवीय तथा महापौर मुकेश टटवाल मंचासीन थे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य द्वारा स्थापित सभ्यता के आदित्य को दुनिया में पहचाना गया है। नागरिक तंत्र स्थापना के प्रथम पुरूष के रूप में सम्राट विक्रमादित्य जाने जाते हैं। उन्होंने कहा कि विक्रमोत्सव सरकार द्वारा समाज को साथ लेकर चलने वाला उत्सव है। उज्जैन काल गणना की नगरी है। साथ ही महाकाल की नगरी भी उज्जयिनी है। हम सनातन संस्कृति के संवाहक हैं। सनातन संस्कृति पर हमें गर्व है। महाकवि कालिदास ने अपने ग्रंथ और काव्यों के माध्यम से उज्जैन की गौरवगाथा का वर्णन किया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर अर्ष भारत, वीर भारत, संकल्प न्यास और मण्डला, डिंडोरी, जबलपुर, सतना, जिलों के स्वाधीनता संग्राम सेनानियों पर केन्द्रित पुस्तकों, रामराजा शीर्षक से प्रकाशित पुस्तकों और ओरछा के रामराजा पर केन्द्रित सीडी का विमोचन भी किया।केन्द्रीय नागरिक उडड्यन मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया वर्चुअली शामिल हुए। उन्होंने कहा कि उज्जैन प्राचीन नगरी है। उज्जैन मध्यप्रदेश ही नहीं समूचे विश्व की एक प्राचीन धरोहर है। यह गौरव की बात है कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव उज्जैन ही नहीं पूरे प्रदेश का विकास करने का कार्य कर रहे हैं । उज्जैन को धार्मिक, आध्यात्मिक केन्द्र ही नहीं व्यापार, व्यवसाय एवं प्रमुख औद्योगिक केन्द्र बनाने का प्रयास भी उनके द्वारा किया जा रहा है। उज्जैन के विकास में सिंधिया परिवार के योगदान उल्लेख करते हुए केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि महाराजा राणोजी सिंधिया द्वारा महाकाल मंदिर निर्माण करवाया गया था और माधव महाराज द्वितीय ने माधवगंज में फ्रीट्रेड फेयर की स्थापना की थी। उन्होंने कहा कि उज्जैन में अपार संभावनाएं हैं। उज्जैन व्यापार मेले की शुरूआत प्रदेश के लिए महत्वपूर्ण कदम है। मध्यप्रदेश में कृषि के साथ ही फार्मा इंडस्ट्री, टेक्सटाइल के क्षेत्र में भी अपार संभावनाएं हैं। सिंधिया ने कहा कि इन्दौर के बाद उज्जैन भी आने वाले समय में मिनी बाम्बे के रूप में पहचाना जायेगा।पूर्व मंत्री पारस जैन, पूर्व विधायक राजेन्द्र भारती, नगर निगम अध्यक्ष श्रीमती कलावती यादव, विवेक जोशी, बहादुर सिंह बोरमुण्डला, जगदीश अग्रवाल सहित जन-प्रतिनिधि, अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. राजेश राजौरा, संभागायुक्त डॉ. संजय गोयल उपस्थित थे।लाड़ली बहना एवं लाड़ली लक्ष्मी योजना के तहत राशि अंतरण के अवसर पर यहाँ ग्वालियर कलेक्ट्रेट स्थित एनआईसी के वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग कक्ष में जिले की लाड़ली बहनाएँ व लाड़ली लक्ष्मी तथा कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास धीरेन्द्र सिंह जादौन व सहायक संचालक राहुल पाठक सहित अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद थे।

पिछड़ा वर्ग छात्रावासों में छात्र-छात्राओं को मिलेंगीं बेहतर सुविधाएँ:कृष्णा गौर

– पिछडा वर्ग कल्याण मंत्री ने ग्वालियर में छात्रावासों का किया औचक निरीक्षण

ग्वालियर । प्रदेश में पिछड़ा वर्ग के छात्रावासों में छात्र ङ्क छात्राओं को बेहतर सुविधायें उपलब्ध कराने के लिये प्रदेश सरकार कटिबद्ध है। छात्रों को छात्रावास में बेहतर सुविधायें मिलें, इसके लिये सार्थक प्रयास किए जा रहे हैं। प्रदेश की पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त घुमन्तु और अर्द्धघुमन्तु कल्याण विभाग की राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर ने शुक्रवार को ग्वालियर में बालक एवं बालिका छात्रावास के औचक निरीक्षण के दौरान यह बात कही। पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर ने शुक्रवार को ग्वालियर प्रवास के दौरान शासकीय संभागीय पिछड़ा वर्ग महाविद्यालयीन बालक

छात्रावास हुरावली एवं शासकीय संभागीय पिछड़ा वर्ग महाविद्यालयीन कन्या छात्रावास शारदा विहार का औचक निरीक्षण किया। छात्रावास में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं से विस्तार से चर्चा भी की। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया है कि छात्रावास में छात्रों को बेहतर सुविधायें मिलें, इसके साथ ही छात्रावास में साफ-सफाई और रंगाई-पुताई का कार्य भी तत्परता से कराया जाए, ताकि छात्रों को अध्ययन हेतु बेहतर माहौल मिल सके। पिछडा वर्ग कल्याण मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर ने छात्र-छात्राओं से चर्चा करते हुए कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की भी मंशा है कि छात्रों को बेहतर सुविधायें उपलब्ध हों। उन्होंने बताया कि शासन ने निर्णय लिया है कि पिछड़ा वर्ग के सभी छात्रावासों में छात्र-छात्राओं के लिये कैन्टीन (भोजन कक्ष), ई-लाइब्रेरी, जिम, छात्रावास की छत पर सोलर पैनल के साथ ही सभी छात्रावासों में वाई-फाई की सुविधा भी उपलब्ध कराई जायेगी। पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्री श्रीमती कृष्णा गौर ने कहा कि हमारे छात्रावासों में आने वाली पीड़ी तैयार हो रही है। छात्रावासों के छात्र-छात्राओं को अच्छी सविधा उपलब्ध होंगीं तो वे मन लगाकर पड़ेंगे और प्रदेश व देश का नाम रोशन करेंगे। निरीक्षण के दौरान बताया गया कि शारदा विहार स्थित कन्या छात्रावास में 41 छात्राएँ निवास कर रही हैं। इसी प्रकार बालक छात्रावास में लगभग 100 बालक निवास कर रहे हैं।

पक्षकारों के मध्य कटुता समाप्त कराने में मध्यस्थ की भूमिका महत्वपूर्ण: प्रधान जिला न्यायाधीश

ग्वालियर । जिस प्रकार नाव नदी के दोनों किनारों को जोड़ने का काम करती है, वैसे ही प्रशिक्षित मध्यस्थ, पक्षकारों के मध्य विवाद के कारण आई कटुता को समाप्त करने का कार्य करता है। पक्षकारों के मध्य कटुता दूर करने में मध्यस्थ की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। इस आशय के विचार प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण क्क्ट गुप्ता ने व्यक्त किए। प्रधान न्यायाधीश गुप्ता मीडिएशन एंड कंसिलेशन प्रोजेक्ट कमेटी सुप्रीम कोर्ट नई दिल्ली (एमसीपीसी) द्वारा मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ग्वालियर के संयुक्त तत्वावधान में अधिवक्ताओं के लिए आयोजित हुए 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन सत्र को

बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।प्रधान जिला न्यायाधीश गुप्ता ने कहा कि वैकल्पिक विवाद समाधान प्रणाली के अंतर्गत मध्यस्थता से मामलों के निराकरण में अपना सकारात्मक सहयोग प्रदान करके इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में दी गई शिक्षा को सभी अधिवक्ता सदैव याद रखेंगे। इस अवसर पर मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नितिन मुजाल्दा, जिला रजिस्ट्रार वरूण शर्मा, एमसीपीसी ट्रेनर शाहिद मोहम्मद, राजेश दास, श्रीमती नीना खरे,प्रशिक्षु व्यवहार न्यायाधीश सुश्री अश्विनी गहलोत, विवेक शर्मा, राहुल त्रिपाठी, जिला विधिक सहायता अधिकारी दीपक शर्मा,सहित जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के कर्मचारी उपस्थित रहे। प्रशिक्षण कार्यक्रम में ग्वालियर, भिण्ड, मुरैना, श्योपुर, शिवपुरी,गुना, अशोकनगर, दतिया एवं टीकमगढ़ न्यायिक जिले की तहसील भितरवार, लहार, गोहद, अंबाह, जोरा, सबलगढ़, विजयपुर, पिछोर, करैरा, कोलारस, खनियांधाना, चाचौड़ा, राधौगढ़, आरोन, चंदेरी, मुंगावली, सेवढ़ा, ओरक्षा, निवाड़ी, जतारा के 50 मध्यस्थों को 40 घंटे का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

संगीत नगरी ग्वालियर में मार्च माह मे सजेगी सुर संध्या

ग्वालियर।ग्वालियर शहर को यूनेस्को द्वारा संगीत नगरी के रुप मे नामित किया गया है। वहीं ग्वालियर ऐतिहासिक सांस्कृतिक व कलात्मक धरोहरो एवं संगीत नगरी के रुप में भी अपनी अलग पहचान रखता है। इसी पहचान को बल प्रदान करने के उद्देश्य व स्वास्थ्य और जनसरोकार को जोडते हुये जिला प्रशासन व ग्वालियर स्मार्ट सिटी कार्पोरेशन के तत्वाधान मे ÷संगीत से स्वास्थ्य एक सुरमयी अहसास÷ कार्यक्रम श्रृंखला की शुरुआत हो रही है। जिसके तहत सामाजिक संस्थाओ के माध्यम से मार्च माह मे सप्ताह के प्रति मंगलवार सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन होगा। इस कार्यक्रम के तहत संगीत व अन्य विधाओं के कलाकारो द्वारा मनमोहक प्रस्तुतियां होगी। पाँच मार्च से शुरु इस संगीतमयी संध्या शहर के विभिन्न विधाओं के विशेषज्ञों के नाम रहेगी। उस विधा के दर्शकों की सभा में विशेष उपस्थिति रहेगी। यह सभी कार्यक्रम महाराज बाडा स्थित टाउन हॉल मे आयोजित किये जायेंगे, जिनका समय सायं 6 बजे से 8 बजे रहेगा। कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने बताया कि ग्वालियर अपनी ऐतिहासिक विरासत और संगीत नगरी के रुप मे अपनी पहचान रखता है। वहीं यूनेस्को ने भी ग्वालियर को संगीत नगरी के रुप मे अपनी मान्यता दी है। महानगर की भागदौड़ भरी जिन्दगी मे स्वास्थ्य को लेकर आम लोगो मे जागरुकता बढे और शहरवासी अपनी संस्कृति, संगीत और पुरातन विरासत के साथ स्वास्थ्य के प्रति भी जागरुक हो सकें, इसी उद्देश्य की पूर्ति हेतु इस संगीत श्रृंखला कार्यक्रम की शुरुआत की जा रही है। उन्होंने बताया कि इस सुरमयी श्रृखला के तहत मार्च माह में तीन कार्यक्रम आयोजित किये जायेंगे, जिसकी शुरुआत 5 मार्च से होगी। जिसमे विख्यात संगीतज्ञ व कलाकारों की प्रस्तुतियां कार्यक्रम मे रहेगी। कार्यक्रम के तहत मार्च के प्रथम मंगलवार को सुविख्यात संगीत साधक पं उमेश कम्पू वाले का शास्त्रीय एवं उपशास्त्रीय गायन रहेगा। दूसरे सप्ताह के मंगलवार को सुविख्यात कत्थक नृत्यांगना डाँ अंजना झा एवं समूह का एकल व समूह नृत्य होगा। तीसरे सप्ताह में विश्वविख्यात सितार वादक व वायोलिन वादक प्रो. पं. साहित्य कुमार नाहर व पं. संतोष कुमार नाहर (दिल्ली) की सितार व वायोलिन जुगलबंदी की प्रस्तुति होगी।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478